Celebration of national festivals etc Efforts of the Institution in organizing national festivals and birth / death anniversaries of the great Indian personalities

2014-15

S.N.	Programme	Date
1.	**International Yoga Day**	**21.06.2015**
2.	**Teachers Day** **(Birth Anniversary of Sarvepalli Radhakrishnan)**	**05.09.2014**
3.	**Birth Anniversary of B.R. Ambedkar**	**13.04.2015**
4.	**Birth Anniversary of Lord Buddha**	**12.07.2014**
5.	**Birth Anniversary of Lord Mahaveer**	**03.04.2015**
6.	**Human Right Day**	**12.12.2014**
7.	**International Nonviolence Day**	**02.10.2014**
8.	**Birth Anniversary of Sardar Vallabh Bhai Patel**	**31.10.2014**

योग प्रदर्शनी एवं कार्यशाला आयोजन

उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम

योग से ही जीवन विकास संभव – प्रो. सुदर्शन राव

संस्थान के योग, जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान विभाग के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आयुर्वेद विभाग, उपखण्ड प्रशासन एवं जैन विश्व भारती संस्थान के तत्वावधान में समारोह पूर्वक 21 जून, 2015 को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के प्रो. सुदर्शनराव ने योग की मीमांसा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति रही है। उन्होंने कहा कि योग जीवन में धारण करने से ही जीवन में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। प्रो राव ने जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के योग विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां योग का विशिष्ट कार्य हो रहा है। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने से विश्वस्तर पर योग की महत्ता उजागर होगी। उन्होंने कहा कि योग से जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है।

समारोह में उपस्थित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि श्री सुखलाल ने कहा कि योग से विश्वस्तर पर भारत का प्रभाव पड़ेगा। योग के नियमित प्रशिक्षण को जरूरी बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि इससे क्रोध निवारण सहित अनेक लाभ संभव है। कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि योग से जीवन शैली में बदलाव होने के साथ शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास में भी वृद्धि की जा सकती है। इस अवसर पर नगरपालिकाध्यक्ष बच्छराज नाहटा एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ भी मंच पर उपस्थित थे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में सामूहिक योग प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत 33 मिनट का रखा गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रभारी डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ललित राजपुरोहित, पारूल दाधीच, निकिता उत्तम, मोनिका सेठिया, अनुश्री जाखड़, माधुरी जरिया, सुनिता, मंजु, विद्या आदि ने योग का प्रदर्शन किया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग प्रशिक्षिका प्रज्ञा बहन झाला ने योग का खम्भ प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाडनूं नगर की अनेक संस्थाओं के सह आयोजन में सामूहिक योग प्रदर्शन में हजारों लोगों ने लाभ लेकर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सामूहिक योग के अलावा योग प्रदर्शनी एवं योग कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सह-आयोजक संस्थाओं पतंजलि योग समिति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल, दुर्गादल, गौपुत्र सेना, व्यापार मण्डल, दरगाह उमराव शहीद गाजी कमेटी, अंजुमन तेजेआम, आदर्श विद्या मन्दिर, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ कन्या मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायन शाला, राष्ट्रीय सेवा दल, नेशनल कैडेट कोर, अल्पसंख्यक अधिकारी एवं कर्मचारी महासंघ, दशहरा मेला समिति का सम्मान किया गया। संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में दो हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता दर्ज की।

शिक्षक दिवस

5 सितम्बर को शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस पर अपने उद्बोधन में कुलपति महोदया ने कहा कि अच्छा शिक्षक बनने के लिए अच्छा विद्यार्थी बनना आवश्यक है। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास उसके दर्शन का विकास और उसके चिन्तन का विकास शिक्षक ही कर सकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने कहा कि अहंकार, क्रोध, प्रमाद, रोग तथा आलस्य, ये पांच दोष जिस किसी व्यक्ति में भी होते हैं वह व्यक्ति कभी जीवन में विकास नहीं कर सकता। कार्यक्रम में बी.एड. छात्राध्यापिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग में मैत्री भोज का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य नवागन्तुक छात्राध्यापिकाओं में परस्पर मेल-जोल, भाई-चारा, सद्भाव एवं समन्वय की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में मंच संचालन संयोगिता राठौड़ तथा सविता कपूरिया ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष भटनागर ने किया।

शुभभावना समारोह

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 13 मई, 2015 को शुभ भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी है। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। पूनम चारण एवं सुनिता डूकिया ने चुलचित्र के माध्यम से प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सुरभि जैन, पूनम मीणा, मीरा बाई, मनीषा पारीक, सुनिता खोजा, रजनी, ज्योति शर्मा, लक्ष्मी कंवर आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संयोजन संयोगिता राठौड़ ने किया।

संस्कृति, संस्कार एवं शिक्षा विषयक सेमीनार

1 जुलाई, 2014 को संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में संस्कृति, संस्कार एवं शिक्षा विषयक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमीनार के मुख्य वक्ता प्रो. गोपीनाथ शर्मा जयपुर ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, विद्या व ज्ञान का सर्वोच्च लक्ष्य आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करना है। प्रो. आर.एन. यादव ने भी संभागियों को संबोधित किया। सेमीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

आचार्य तुलसी प्रसार भाषण माला

13 फरवरी को संस्थान के शिक्षा विभाग में आचार्य तुलसी प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने आचार्य तुलसी के शिक्षा दर्शन पर विशेष व्याख्यान दिया।

ई-लर्निंग कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में कॉरियर डे के अवसर पर एक ई-लर्निंग कार्यशाला 12 जनवरी को आयोजित की गयी। कार्यशाला में विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

शुभभावना कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 22 जुलाई, 2014 को शुभभावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में छात्राध्यापिकाओं को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य और परिश्रम सफलता के लिए बेहद जरूरी है। शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

अम्बेडकर जयंती

जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 13 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने देश के संविधान निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान आदि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने किया।

गुरू पूर्णिमां

संस्थान के शिक्षा विभाग में 12 जुलाई, 2014 को गुरू पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राध्यापिकाओं ने शिक्षिका जीवन में मूल्य परक संस्कृति निर्माण का संकल्प लिया।

फैकल्टी स्टूडेन्ट एक्सचेंज प्रोग्राम

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के बीच 'फैकल्टी स्टूडेन्ट एक्सचेंज प्रोग्राम' के अन्तर्गत 21 मार्च तक बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के दो शिक्षक एवं तीस छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रो. अनिल धर, प्रो. बी. एल. जैन, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. मनीष भटनागर ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के डॉ. सुरेश शर्मा एवं मीनाक्षी सारस्वत के नेतृत्व में विभाग के विद्यार्थियों ने संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त किया। 23 मार्च को जैन विश्व भारती संस्थान के शिक्षा विभाग की 30 छात्राओं एवं शिक्षकों का एक दल डॉ. अदिति गौतम के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के लिए रवाना हुआ। वहां विद्यार्थियों ने 27 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शैक्षणिक-भ्रमण

संस्थान के शिक्षा विभाग के 185 छात्राध्यापिकाओं के एक दल ने 5 से 7 नवम्बर, 2014 तक शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिल्ली के विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया। छात्राध्यापिकाओं ने दिल्ली में कुतुबमिनार, लोटसटेम्पल, इण्डिया गेट, राजघाट, कात्यायनी माता मंदिर, अक्षरधाम साधना केन्द्र, एनसीईआरटी आदि संस्थानों एवं स्थलों का भ्रमण किया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग में 2 एवं 3 सितम्बर, 2014 को नवागन्तुक छात्राओं को व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया। नवागन्तुक छात्राओं को प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय एवं गिरधारीलाल शर्मा ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया।

प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 24 फरवरी, 2015 को आयोजित प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत जीवन विज्ञान एवं योग विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे. पी.एन. मिश्रा ने कहा कि शुद्ध वायु एवं संतुलित भोजन द्वारा व्यक्तित्व निर्माण किया जा सकता है।

महावीर जयंती समारोह

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 3 अप्रैल, 2015 को महावीर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. बी.एल. जैन, सुरभी जैन, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार ने अपने वक्तव्यों के द्वारा भगवान महावीर के दर्शन के विभिन्न पक्षों को उजागर किया एवं उनके उपदेशों को आज के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया।

मानवाधिकार दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 12 दिसम्बर, 2014 को मनाया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि अधिकार से पहले कर्त्तव्य की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है। प्रो. बी.आर. दूगड़ ने परस्पर करुणा रखने का आह्वान किया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने भी संभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिताओं की प्रभारी डॉ. सरोज राय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए।

विशेष व्याख्यान

सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में सेमीनार हॉल में 19 फरवरी को 'सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली के प्रो. एम.डी. थॉमस ने विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

अहिंसा दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में गांधी जयन्ती के पूर्व दिवस पर अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। कार्यक्रम में संभागियों को विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर, प्रो. जे.पी.एन मिश्रा ने भी संबोधित किया। सभी ने गांधी के अहिंसा, शान्ति, प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, सहयोग के विचारों को आत्मसात कर जीवन व्यवहार में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी प्रो. बी. एल. जैन की अध्यक्षता में अहिंसा दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला

महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी को किया गया। मुख्य अतिथि राजीव गांधी ट्राईबल विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति टी.सी. डामोर एवं विशिष्ट अतिथि लाडनूं वृत अधिकारी जाकीर अख्तर ने भी संभागियों को विषय से सम्बन्धित विशेष जानकारी दी। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में प्रो. बी.एल. फड़िया, प्रो. पी.एम. भाटी जोधपुर, प्रो. कान्ता कटारिया जोधपुर, प्रो. एम.डी. थॉमस नई दिल्ली ने भी अपने व्याख्यान के साथ प्रशिक्षण दिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान के एस.डी. पोद्दावत ऑडिटोरियम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 138वीं जयंती का आयोजन 31 अक्टूबर को समारोह पूर्वक किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने सरदार पटेल को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा थी। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. बी.एल. जैन ने किया। इस अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता परिचर्चा, एकता दौड़, एन.सी.सी. मार्च पास्ट, पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन भी किया गया।

प्रवेशोत्सव

सामाजिक समरसता का केन्द्र है यह विश्वविद्यालय – डॉ. समणी चारित्रप्रज्ञा

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 2 अगस्त 2014 को प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय शिक्षा जगत का अनूठा केन्द्र है। यहां सामाजिक समरसता के साथ मूल्यों की शिक्षा प्रदान की जाती है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनकी भावी विकास की कामना की। आचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मिस प्रेशर का खिताब बी.कॉम. की छात्रा दीक्षा जैन को प्रदान किया गया।

2015-16

S.N.	Programme	Date
1.	**Teachers Day (Birth Anniversary of Sarvepalli Radhakrishnan)**	**04.09.2015**
2.	**Sanskrit Diwas**	**31.08.2015**
3.	**Guru Purnima Utsav**	**31.07.2015**
4.	**Constitution Day**	**27.11.2015**
5.	**Hindi Diwas**	**14.09.2015**
6.	**International Human Rights Day**	**10.12.2015**
7.	**Teachers Day**	**04.09.2015**
8.	**Birth Anniversary of Mahatma Gandhi**	**02.10.2015**
9.	**Vishwa Darshan Divas**	**19.11.2015**
10.	**Nonviolence Day**	**01.10.2015**
11.	**Birth Anniversary of Swami Vivekanand**	**13.01.2016**
12.	**International Yoga Day**	**21.06.2016**
13.	**International Woman Day**	**08.03.2016**

जीवन विज्ञान दिवस

संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्त्वावधान में जीवन विज्ञान दिवस का आयोजन संस्थान के सेमीनार हॉल में 24 नवम्बर 2015 को समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि जीवन विज्ञान जीवन को संतुलित रूप से जीने का माध्यम है। जीवन विज्ञान भाव शुद्धि एवं भावनात्मक विकास का सेतु है। समारोह में बोलते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि जीवन विज्ञान समाज में स्वस्थ व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने जीवन विज्ञान को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास का माध्यम बताते हुए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में धारण करने पर बल दिया। कार्यक्रम में योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने स्वागत भाषण करते हुए जीवन विज्ञान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने जीवन विज्ञान की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। आभार ज्ञापन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने व्यक्त किया।

नि:शुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षक पाठ्यक्रम

राजस्थान सरकार के राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के तत्वावधान में जैन विश्व भारती संस्थान के द्वारा तीन माह का योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रमाण पत्र का शुभारम्भ 31 दिसम्बर 2015 को किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा संचालित यह कोर्स त्रैमासिक होगा। शिविर के दौरान आवासीय शिविरार्थियों को तीन माह तक नि:शुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था उपलब्ध करवायी जायेगी। प्रो. धर ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आवासीय एवं गैर आवासीय दोनों रूपों में संचालित किया जायेगा। योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने बताया कि शिविर में 10वीं पास कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। पंजीयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर किये जा रहे है। पंजीयन के लिए विश्वविद्यालय के योग विभाग में सम्पर्क किया जा सकता है। शिविर के उपरांत विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र उपलब्ध करवाया जायेगा।

शिक्षक दिवस मनाया

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 4 सितम्बर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में आयोजित समारोह की अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो अनिलधर, प्राचार्य डॉ समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी अपने-अपने विचार रखे। छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नेहा सोनी व कमला पारीक ने किया।

विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शिक्षक दिवस समारोह अध्यक्ष प्रो आरबीएस वर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। प्रो वर्मा ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में अध्यक्ष प्रो बीएल जैन की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस व जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण

संस्थान में भारत सरकार के केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से स्थापित स्मार्ट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आधुनिक कटिंग-सिलाई एवं कढ़ाई-बुनाई प्रशिक्षण के लिए अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों से आवेदन आमन्त्रित किये गये। कोर्स के लिए साक्षात्कार 11 अगस्त को एटीडीसी सेन्टर पर रखा गया। विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा के निर्देशन में संचालित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार की ओर उन्मुख करना है। संस्थान के कुलसचिव डॉ अनिलधर ने बताया कि भारत सरकार के स्मार्ट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों को एडवांस सिलाई एवं कढ़ाई बुनाई का तीन माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शोध कार्य के लिए चिंतन क्षमता का विकास जरूरी-कुलपति

संस्थान के शोध विभाग के अन्तर्गत शोधार्थियों का यूजीसी नियमानुसार कोर्स वर्क फोर पीएच.डी. स्टूडेन्ट्स का शुभारम्भ कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में 9 अक्टूबर को सेमीनार हॉल में हुआ। देश भर से समागत शोधार्थियों को संबोधित करते हुए समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शोध महत्त्वपूर्ण कार्य होता है। शोध के लिए व्यक्ति का मानस परिष्कृत होने के साथ चिंतन क्षमता से परिपूर्ण होना चाहिए। शोध विभाग के निदेशक प्रो. आरबीएस वर्मा ने शोध कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए वैकल्पिक सूचना तंत्र पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किये। कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने शोधार्थी के विकास के लिए रिसर्च वर्क कार्यशाला का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए समाज कार्य विभाग के एसोशिएट प्रो. डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने शोध से संबंधित जानकारी से अवगत करवाया। शोधार्थियों को नामांकन, परिचय, आईस ब्रेकिंग अभ्यास, पुस्तकालय आदि से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यशाला 23 अक्टूबर तक आयोजित की गयी।

भुवनेश्वर

प्राकृत शिक्षण कार्यशाला

प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग और उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर के जैन चेअर के संयुक्त तत्त्वावधान में दस दिवसीय (30 नवम्बर - 10 दिसम्बर) प्राकृत शिक्षण कार्यशाला, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में आयोजित हुई। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा और समणी सम्यक्त्व प्रज्ञा के निर्देशन में समायोजित यह कार्यशाला जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर, पी.जी. संस्कृत विभाग उत्कल विश्वविद्यालय और राजधानी कॉलेज इन तीनों स्थानों पर अलग-अलग रखी गई।

जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर में यह कार्यशाला 4-10 दिसम्बर तक प्रातः 9 से 10 बजे तक रखी गई जिसमें संस्कृत के अध्यापक-अध्यापिकाओं सहित 78 छात्र-छात्राएं इसमें अत्यन्त उत्साह के साथ सहभागी बने। उत्कल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में 20 शोधार्थियों एवं विद्यार्थी वर्ग ने भाग लिया। इसी तरह राजधानी कॉलेज में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रकार शिविर में लगभग 100 से अधिक संभागी उपस्थित हुए। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने प्राकृत भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए उसके इतिहास और प्राकृत भाषा का उड़िया भाषा पर कितना प्रभाव है, इन सभी तथ्यों को हिन्दी एवं उनकी मातृभाषा 'उड़िया' के द्वारा बहुत ही सरल भाषा में समझाया। समणी सम्यक्त्वप्रज्ञा ने प्राकृत भाषा के सामान्य नियमों से अवगत करवाया।

कार्यशाला के अलावा जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर एवं संगीत महाविद्यालय में 'प्राकृत एवं जैन धर्म' पर समणी डॉ. संगीतप्रज्ञा का वक्तव्य रखा गया। अणुव्रत समिति, भुवनेश्वर द्वारा हिन्दी अनुज वाचनालय में प्राकृत और उड़िया भाषा विषय पर संगोष्ठी रखी गई जिसमें हिन्दी भाषा से जुड़े हुए विद्वत्वर्ग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन समारोह नवनिर्मित तेरापंथ भवन में रखा गया। जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर के कुलसचिव प्रो. सुमन दास इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्कल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुभाष दास, राजधानी कॉलेज की प्राचार्या, तेरापंथ सभा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष तथा महिला मण्डल के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला की संचालिका प्रो. सुचित्रादास अध्यक्ष जैन चेअर ने कार्यक्रम में संभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

संस्कृत दिवस आयोजित

संस्कृत सब भाषाओं की जननी-प्रो. धर

प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग द्वारा 31 अगस्त को संस्कृत दिवस मनाया गया। चोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित इस समारोह में स्थानीय एवं बाहर से आये 200 प्रतिभागियों एवं अनेक विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति रही। प्रारम्भ में जैन विश्वभारती के मुख्य द्वार से समारोह स्थल तक एक विशाल रैली भी निकाली गई, जिसके द्वारा 'जयतु संस्कृतम्' घोष के साथ संस्कृत के महत्त्व का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं गीतिका प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु धरती, द्वितीय नितेश जैन व तृतीय स्थान पर समकित जैन व हरेन्द्र चौहान रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु धरती द्वितीय नितेश जैन व तृतीय मुमुक्षु सुरभि रहे। इसी क्रम में गीतिका प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु नम्रता, द्वितीय मुमुक्षु ममता व साकेत जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातक से निचले स्तर के छात्रों ने भी संस्कृत निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें प्रथम ताराचन्द चौहान, द्वितीय चन्दा चौहान एवं तृतीय राकेश शर्मा घोषित किये गये।

अन्त में समापन समारोह संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। तापड़िया संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमन्तकृष्ण मिश्र ने अतिथि विद्वानों का परिचय दिया। सभी विद्वानों को संस्थान की ओर से शॉल, स्मृति चिन्ह एवं साहित्य भेंटकर सम्मानित किया गया। विभाग के अध्यक्ष प्रो. दामोदर शास्त्री ने विविध दृष्टियों से संस्कृत के महत्त्व को रेखांकित किया।

डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, वेणुगोपाल भारद्वाज, सीताराम उपाध्याय आदि वक्ताओं ने संस्कृत के विषय में अपने महत्त्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने समापन समारोह के कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने आभार प्रकट किया।

एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 1 दिसम्बर, 2015 को किया गया। भ्रमण के दौरान एम.एड. व बी.एड. की छात्राओं ने स्थानीय पाबोलाव धाम, डूंगरबालाजी मन्दिर सहित अनेक स्थलों का भ्रमण किया। पाबोलाव धाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धाम के महन्त स्वामी कमलेश्वर भारती ने नारीशक्ति को महान शिक्षिका का रूप बताते हुए कहा कि इस शैक्षणिक प्रशिक्षण का लाभ सभी छात्राओं को उठाना चाहिए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

प्रसार भाषण माला

शिक्षा विभाग में 20 अक्टूबर, 2015 को आयोजित प्रसार भाषण माला को संबोधित करते हुए सूचना एवं तकनीकी जेपी विश्वविद्यालय सोलन के डॉ अनिल सहरावत ने कहा कि शिक्षा मानवीय संसाधन का समुचित विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। शिक्षा का मूल आधार विद्यार्थी को सुयोग्य नागरिक के रूप में विकसित करते हुए राष्ट्र का निर्माण करना है। इससे पूर्व शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने अतिथियों का परिचय एवं डॉ गिरीराज भोजक ने स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

गुरू पूर्णिमा पर्व का आयोजन

गुरू पूर्णिमा उत्सव में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीएल जैन, छात्रा जयश्री लामरोड़ ने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ मनीष भटनागर, डॉ अमिता जैन, डॉ विष्णुकुमार, डॉ आभासिंह, डॉ अदिति गौतम, डॉ गिरधारी शर्मा व कांचन कंवर ने भी अपने विचार रखे। संचालन छात्रा मोनिका ने किया।

संविधान दिवस का आयोजन

प्रो. बी.एल. जैन की अध्यक्षता में 27 नवम्बर, 2015 को संविधान दिवस का आयोजन समारोह पूर्वक किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनीष भटनागर, डा. बी. प्रधान, नीतू सोनी, प्रवीण कंवर आदि ने अपने विचार रखे। संचालन डॉ. विष्णु कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

प्रतियोगिताओं के शुभारम्भ पर सद्भावना दौड़

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में त्रिदिवसीय विविध खेल कूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ 3 दिसम्बर, 2015 को किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की छात्राओं द्वारा सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत बैडमिंटन, खो-खो, दौड़, कैरम, कबड्डी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिन्दी दिवस

हिन्दी दिवस का आयोजन 14 सितम्बर को मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीएल जैन ने कहा कि हमें हिन्दी भाषा के प्रति सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। यह हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसे समृद्ध बनाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ गिरधारीलाल शर्मा, सविता यादव, दमयन्ती ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मानवाधिकार दिवस

शिक्षा विभाग तथा अहिंसा एवं शांति विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'मानवाधिकार दिवस' कार्यक्रम 10 दिसम्बर 2015 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. अनिल धर, प्रो. रेखा तिवारी, प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर एवं छात्राध्यापिकाओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिक्षक दिवस

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तथा शिक्षक दिवस का आयोजन 4 सितम्बर को किया गया। इस अवसर पर प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि यदि सभी शिक्षक अपने कर्तव्य को ईमानदारी से निर्वाह करें तो हमारा देश अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल हो सकता है।

कार्यक्रम में शिक्षा संकाय सदस्य डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. भावगाही प्रधान, डॉ. अमिता जैन ने अपने विचार व्यक्त किये तथा डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. सरोज राव एवं डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरोज राव ने किया।

गाँधी जयन्ती

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में गाँधी जयन्ती का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों एवं छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

विद्यार्थी दिवस

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस को विद्यार्थी दिवस के रूप में 15 अक्टूबर, 2015 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. कलाम के जीवन से हमें कर्तव्यनिष्ठा एवं समय की प्रतिबद्धता की सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. गिरिराज भोजक तथा डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

विद्यार्थी दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग में नवागन्तुक बी.एड. छात्राध्यापिकाओं के लिए 'व्यक्तित्व विकास तथा अभिव्यक्ति कौशल विकास' कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। डॉ. अमिता जैन एवं डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति विकास हेतु गतिविधियां आयोजित की।

नवरात्रा एवं दशहरा के अवसर पर कार्यक्रम

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में नवरात्रा एवं दशहरा पर्व का आयोजन 21 अक्टूबर, 2015 को किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. गिरिराज भोजक एवं सरिता यादव ने विचार व्यक्त किये। मंच संचालन डॉ. मनीष भटनागर ने किया।

अन्त:करण की शुद्धि का पर्व है संवत्सरी

सोल्लास चतुर्थी व संवत्सरी पर्व का आयोजन 18 सितम्बर को किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि संवत्सरी अन्त:करण की शुद्धि का पर्व है। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में दीपावली पूर्व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें सुमन स्वामी, सीता गुर्जर, रेणु, खुशबू, गुंजन आदि ने नृत्य की प्रस्तुतियां दी। खुशबू योगी, खुशवन्त व सरिता यादव ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अमिता जैन ने किया।

विश्व दर्शन दिवस पर कार्यशाला

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग व महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के तत्वावधान में विश्व दर्शन दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 नवम्बर को विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमाशंकर व्यास ने कहा दर्शन न्याय का पर्याय है, दर्शन के माध्यम से ही न्याय को सही मायने में प्रकट किया जा सकता है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि दर्शन को समझने से ही द्वन्द्वों से मुक्ति पायी जा सकती है। इस अवसर पर पांचाला सिद्धा के प्रख्यात महंत स्वामी सूरजनाथ सिद्धी ने कहा कि दर्शन को समझने के लिए व्यक्ति को जीवन व व्यवहार को संतुलित करना पड़ेगा। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विविध विद्वानों ने दर्शन दिवस की महत्ता उजागर करते हुए अनेक विषयों पर चर्चा की। प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने अनेकांत : व्यवहार एवं सिद्धांत, प्रो. बी.आर. दूगड़ ने पारिवारिक समन्वय एवं अनेकांत, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अनेकांत की व्यवहारिकता, प्रो. अनिल धर ने अनेकांत की उपादेयता विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणी प्रणवप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मंगल संगान से हुआ। संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज व डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

अहिंसा दिवस

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में अहिंसा दिवस का आयोजन 1 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो बच्छराज दुगड़ ने कहा कि महात्मा गांधी ने विश्व को अहिंसा एवं शांति का संदेश दिया। गांधी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए प्रो दुगड़ ने गांधी के जीवन में गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। सहायक आचार्य रविन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलायी है। कार्यक्रम में राधा प्रजापत, ऋतु चौहान, रविन्द्र राज,सुनिता सारस्वत आदि ने गांधी जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए संयमित जीवन को प्रभावी व्यक्तित्व विकास का आधार बताया।

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अक्टूबर को महाप्रज्ञ सभागार में हुआ। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें, तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के प्रो. बी.आर. दूगड़ ने युवाओं को अहिंसा एवं शांति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने युवाओं को कॅरियर निर्माण के साथ मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन शोधार्थी लक्ष्मी सिंधी ने किया। प्रशिक्षण शिविर में सेंटजेवियर्स स्कूल के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अहिंसक वैश्विक व्यवस्था वर्तमान की आवश्यकता– प्रो. दाधीच

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में 29 जुलाई को संचालित इन्टरनेशनल समर स्कूल के अण्डरस्टेंडिंग जैनिज्म में देश विदेश के पहुंचे स्कॉलर को संबोधित करते हुए वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति नरेश दाधीच ने कहा कि अहिंसा गुणसम्पन्न व्यवस्था मानव एवं सर्वप्राणी के अस्तित्व के लिए जरूरी है। वैश्विक व्यवस्था में न्याय एवं प्रेम के बाहुल्य के लिए सत्य, शांति, प्रेम, धैर्य, संतोष, सहिष्णुता आदि आवश्यक है जो विश्व के सर्व प्राणियों में सर्व प्राणियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करते है।

शोध परियोजना

अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी प्रोजेक्ट स्वीकृत

भारत सरकार के इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशियल साइंस संस्थान, नई दिल्ली द्वारा जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर को वरिष्ठ राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति हेतु अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी विषय पर प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। इस प्रकार के प्रोजेक्ट स्वीकृत होने से विद्वानों व शोधार्थियों को अनेकान्त व वेस्टर्न फिलॉसाफी पर अधिक से अधिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्वावधान में पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान का आयोजन 1 फरवरी, 2016 को किया गया। 'पर्यावरण बचाओ-पॉलिथिन हटाओ' अभियान के अन्तर्गत समाज कार्य के विद्यार्थियों ने लाडनूं क्षेत्र के विविध स्थलों पर जाकर पॉलिथिन के दुष्परिणामों की जानकारी दी। इस अवसर पर पॉलिथिन प्रतिबन्ध पोस्टर का भी वितरण किया गया।

युवा दिवस का आयोजन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय व एन.एस.एस. इकाई के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द का जन्म दिन युवा दिवस के रूप में 13 जनवरी को मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति को विश्व समाज के सामने पहुंचाने का विशिष्ट कार्य किया है। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद डॉक्युमेन्ट्री का प्रदर्शन भी किया गया। अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। संयोजन दिव्या जांगीड़ ने किया।

इसी प्रकार योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में युवा दिवस को 'कॅरियर डे' के रूप में मनाया गया। डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. जीतेन्द्र वर्मा, डॉ. लक्ष्मण माली, इन्द्राराम पूनिया ने स्वामी विवेकानन्द के प्रसंगों के माध्यम से अपनी बात कही। कार्यक्रम का संयोजन पूनम सैनी ने किया।

संस्थान के शिक्षा विभाग में भी युवा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ वी. प्रधान, सुमन चौधरी, सीता मेहता, खुशबू योगी, सुमन स्वामी, सुमन महला, मंजू आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अमिता जैन ने किया।

गणतंत्र दिवस मनाया

26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने प्रातःकाल झण्डा रोहण किया।

इस अवसर पर उपस्थित संस्थान सदस्य को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करना हम प्रत्येक नागरिकों का कर्तव्य है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि भारत दुनियां का एक बहुत बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमें लोकतंत्र की के दायित्व के निर्वहन के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया।

एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं एन.एस.एस. की इकाई के तत्वावधान में सामाजिक चेतना जागरण पर एक शिविर का आयोजन 15 जनवरी को किया गया। इकाई की स्वयंसेविकाओं ने सब्जी मण्डी, राडू गेट एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। द्वितीय चरण में स्वयं सेविकाओं द्वारा पतंग पर सामाजिक चेतना के स्लोगन लिखकर पतंगें भी उड़ाई गई।

योग एवं नेचुरोपैथी का प्रोजेक्ट स्वीकृत

राजस्थान सरकार के राजस्थान कौशल विकास एवं आजीविका विकास निगम जयपुर द्वारा हेल्थ केयर के लिए जैन विश्व भारती संस्थान की एक वृहद् परियोजना तीन से पांच वर्षों तक के लिए स्वीकृत की गई है। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लाडनूं एवं जयपुर के युवाओं को कौशल विकास के अन्तर्गत योग एवं नैचुरोपैथी का निःशुल्क आवासीय एवं डे स्कॉलर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इस प्रोजेक्ट को निगम के अधिकारी विश्वास पारीक एवं संस्थान के कुलसचिव ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर कर स्वीकृत किया। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत युवाओं को तीन माह का निःशुल्क आवासीय व गैर आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : भव्य कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम जैन विश्वभारती के सुधर्मा सभा में उपखण्ड प्रशासन, जैन विश्वभारती एवं जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के तत्वावधान में लाडनूं नगर की विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से 21 जून, 2016 को समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। समारोह में मुनि विमलकुमार ने योग की मीमांसा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति रही है। स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग बहुत जरूरी है। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने से विश्वस्तर पर योग की महत्ता उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि योग से जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है। जैन विश्वभारती के न्यासी रमेशचन्द बोहरा ने कहा कि योग से ही जीवन में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि योग से जीवन शैली में बदलाव होने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास में भी वृद्धि की जा सकती है।

समारोह में उपस्थित नगरपालिकाध्यक्ष संगीता पारीक व मुनि जम्बुकुमार ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सामूहिक योग प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत 45 मिनट का रखा गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रभारी डॉ. प्रहलादसिंह शेखावत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पारूल दाधीच, निकिता उत्तम, सुनिता, मंजू, पूजा सैनी आदि ने योग क्रियाओं का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाडनूं नगर की अनेक संस्थाओं के सह आयोजन में सामूहिक योग प्रदर्शन में सैकड़ों लोगों एवं स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। सह-आयोजक संस्थाओं पतंजलि योग समिति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भारत विकास परिषद, आर्ट ऑफ लिविंग, राजस्थान ब्राह्मण महासभा, विश्व हिन्दू परिषद, सेवा भारती, विद्या भारती, आदर्श विद्या मन्दिर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल, दशहरा मेला समिति, दुर्गादल, ओसवाल सभा, गौपुत्र सेना, लाडनूं चेम्बर ऑफ कॉमर्स, दरगाह उमराव शहीद गाजी कमेटी, अंजुमन फैज ए आम, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ कन्या मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायन शाला, नेशनल कैडेट कोर एवं सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आदि का सराहनीय सहयोग रहा। संयोजन डा विवेक माहेश्वरी ने किया। आभार ज्ञापन जैन विश्वभारती के निदेशक राजेन्द्र खटेड़ ने किया।

शिक्षा एवं संस्कार विषयक प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शिक्षा और संस्कार विषयक प्रसार भाषण माला का आयोजन 25 जनवरी, 2016 को किया गया। मुख्य वक्ता मुनिश्री सुखलाल ने कहा कि आज विद्यार्थी में बुद्धि का विकास तो हो रहा है लेकिन संस्कारों से पिछड़ता जा रहा है। संस्कारों का विकास मूल्यों की शिक्षा के द्वारा संभव है। कार्यक्रम में मुनि मोहजीत कुमार ने भी विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रो. बी.एल. जैन एवं प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्राध्यापिकाओं, संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल ने किया।

अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा अभिभावक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन 9 फरवरी, 2016 को किया गया। प्रारंभ में प्रो. बी.एल. जैन ने विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में अभिभावक राजकुमार सैनी, गिरधारीसिंह, ओमप्रकाश प्रजापत आदि ने अपने-अपने विचार रखते हुए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों एवं व्यवस्थाओं को सराहनीय बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गिरिराज भोजक ने किया।

ई-लर्निंग कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग में 11 फरवरी, 2016 को एक दिवसीय ई-लर्निंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीन तकनीक से अवगत कराना है। कार्यशाला में संभागी विद्यार्थियों को डॉ सरोज रॉय, डॉ अदिति गौतम, डॉ. गिरधारी सिंह, सुश्री पूजा जैन सहित अनेक विद्वानों ने मोबाईल लर्निंग, ट्रांसपरेन्सी बनाना, पीपीटी तैयार करना, इन्टरनेट यूजेज आदि की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी। कार्यशाला में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं के साथ ही शिक्षकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ गिरधारीलाल शर्मा ने किया।

प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 28 अप्रैल, 2016 को प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत जयपुर के प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय का व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. पाण्डेय ने प्रसार-भाषण माला के अन्तर्गत व्याख्यान देते हुए शिक्षा व शिक्षक विषय को रेखांकित किया।

सृजन

24 फरवरी को संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सामयिक समरसता विषय पर "सृजन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने छात्राध्यापिकाओं को धर्म, सम्प्रदाय व वर्गभेद से ऊपर उठकर सौहार्द, समन्वय के साथ विकास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। छात्राध्यापिकाओं को विविध समूहों में गायन, वादन, नृत्य, पेन्टिंग, लेखन, भाषण आदि विद्याओं का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन बिमला एवं सुमन महला ने किया।

जैन विश्व भारती संस्थान को मिली चार वर्षीय बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी.-बी.एड. की मान्यता

भारत सरकार के राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान को चार वर्षीय बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी-बी.एड की मान्यता मिली है। संस्थान को इस चार वर्षीय विशेष कोर्स हेतु कुल 100 सीटों के लिए स्वीकृति मिली है। अब विद्यार्थी चार वर्षीय इस कोर्स में प्रवेश लेकर बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी-बी.एड कर एक साल की बचत कर सकते हैं। ज्ञात रहे कि जैन विश्व भारती संस्थान में पहले से ही बी.एड. एवं एम.एड. कोर्स संचालित हैं।

2016-17

S.N.	Programme	Date
1.	**Sanskrit Diwas**	**22.08.2016**
2.	**Jivan Vigyan Diwas**	**12.11.2016**
3.	**Vijaya Dashmi Parva**	**10.10.2016**
4.	**Constitution Day**	**26.11.2016**
5.	**Ganesh Chaturthi Diwas**	**05.09.2016**
6.	**Teachers Day**	**05.09.2016**
7.	**Human Rights Day**	**10.12.2016**
8.	**Teachers Day**	**02.09.2016**
9.	**Youth Camp**	**08.02.2017**
10.	**Birth Anniversary of Lord Mahaveer**	**08.04.2017**
11.	**Rastriya Vigyan Diwas**	**26.02.2017**
12.	**Birth Anniversary of Swami Vivekanand**	**12.01.2017**
13.	**International Woman Days**	**08.03.2017**
14.	**Celebration of Fagotsva**	**11.03.2017**
15.	**Basant Panchmi**	**01.02.2017**
16.	**Dr. Bhimrav Ambedkar JayaNti**	**13.04.2017**
17.	**International Yoga Day**	**21.06.2017**

संस्कृत भाषा के विकास से संस्कृति का उत्थान संभव : कुलपति

आज सम्पूर्ण विश्व में लगभग 1200 भाषाएं प्रचलित हैं, लेकिन इन सब भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा को ही माना जाता है। यदि हमें भारतीय संस्कृति का विकास करना है तो संस्कृत भाषा का विकास करना ही होगा। उक्त विचार संस्थान के प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग की ओर से 22 अगस्त, 2016 को आयोजित संस्कृत दिवस समारोह अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने व्यक्त किये। उन्होंने संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए इसके विकास पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लापड़िया संस्कृत महाविद्यालय, जसवन्तगढ़ के प्राचार्य डॉ. हेमन्त मिश्र ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु कार्य कर रही अनेक संस्थाओं का उल्लेख करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्राच्यविद्या और भाषा के क्षेत्र में दिये गये योगदान का महत्त्व प्रतिपादित किया। समारोह के मुख्य अतिथि अजमेर से पधारे डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने भी संस्कृत को भारतीय संस्कृत का मूल बताते हुए उसके विकास पर बल दिया।

प्रो. दामोदर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता के बारे में बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने संस्कृत को आम बोल-चाल की भाषा बनाने पर जोर देते हुए उसे 'देववाणी' के साथ-साथ जनवाणी के नाम से अभिहित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुमुक्षु बहनों के मंगलाचरण से हुआ। अतिथियों को शॉल एवं साहित्य भेंट किया गया डॉ. समणी भास्कर प्रज्ञा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। कार्यक्रम में तन्मय जैन द्वारा संस्कृत गीत तथा विभाग की मुमुक्षु बहनों द्वारा एक संस्कृत लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन मुमुक्षु धरती एवं मुमुक्षु रौनक ने किया।

पंजाबी विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में समणीद्वय की सहभागिता

पंजाबी विश्वविद्यालय के धर्म विभाग के अन्तर्गत पटियाला, में 29-30 नवम्बर को "जैन साधना पद्धति और प्रेक्षाध्यान" विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी डॉ प्रद्युम्न सिंह शाह के द्वारा आयोजित हुई। "प्राच्य विद्या एवं भाषा" विभाग की विभागाध्यक्ष और उद्घाटन सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में निमंत्रित डॉ समणी संगीतप्रज्ञा का "प्रेक्षाध्यान : एक परिचय" विषय पर PowerPoint Presentation से प्रभावी और रुचिकर व्याख्यान हुआ। समणी सुलभप्रज्ञा के द्वारा "Effect of Preksha Meditation on creative problem solving abilities" विषय पर पत्र वाचन हुआ। उपस्थित श्रोताओं के निवेदन पर प्रेक्षाध्यान का प्रायोगिक सत्र भी आयोजित किया गया तथा प्रेक्षाध्यान, जैन ध्यान - साधना के इतिहास पर भी लोगों ने जिज्ञासाएं व्यक्त की, जिनका समाधान किया गया। इस संगोष्ठी के माध्यम से जैनध्यान पद्धति और विशेष रूप से प्रेक्षाध्यान का प्रभाव पड़ा। समागत दिग्गज विद्वान जैसे प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ गुरमेल, धर्म विभागाध्यक्ष, पंजाबी विश्वविद्यालय, प्रो. अग्निहोत्री, कुलपति हिमाचल विश्वविद्यालय इत्यादि ने कहा कि उन्होंने पहली बार प्रेक्षाध्यान की सम्यक् जानकारी प्राप्त की।

प्राच्य विद्या के अध्ययन से ही मूल्यों को समझना आसान : डॉ संगीत प्रज्ञा

संस्थान के प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में नवागन्तुक विद्यार्थियों के स्वागत समारोह का आयोजन 13 अगस्त, 2016 को विभागाध्यक्ष डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में रखा गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. समणी संगीत प्रज्ञा ने कहा कि प्राच्य विद्या का ज्ञान होना प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है। वर्तमान दौर में प्राच्य भाषा के अध्ययन से ही मूल्यों की शिक्षा को समझा जा सकता है। इस अवसर पर समणी भास्कर प्रज्ञा, मुमुक्षु नयता, मुमुक्षु ज्ञान, रौनक आदि द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शोध छात्रा मनीषा जैन ने विश्वविद्यालय एवं विभाग का परिचय दिया।

प्राकृत-संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

संस्थान के प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित त्रैमासिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम एवं प्राकृत एवं संस्कृत विषयक कार्यशाला लाडनूं में आयोजित की गयी। उक्त कार्यशाला में संस्कृत, प्राकृत, व्याकरण, दर्शन साहित्य के साथ-साथ दैनिक बोल-चाल में उच्चारण शुद्धि पर बल दिया गया। इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. समणी संगीत प्रज्ञा ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्राच्य भाषा के अध्ययन-अध्यापन की आज जरूरत है। हमें इसमें समाहित नैतिक तत्त्व, संस्कृति और सांस्कृतिक संरक्षण का ज्ञान हमारे राष्ट्र, समाज और परिवार उत्थान के लिए आवश्यक है। समणी नियोजिका प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि निरन्तर 'संस्कृत प्राकृत भाषा' का प्रयोग करते रहें और शोध कार्य करें। कार्यशाला को डॉ. समणी हिम प्रज्ञा, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी संबोधित किया।

प्रतिभागी के रूप में डॉ. मंजु नाहटा, विकास गर्ग, हेमलता, नीरबाला छाजेड़, पुखराज सेठिया, विमला डागलिया, पूर्णिमा चौरड़िया, मंजु बैद आदि ने विचार व्यक्त किये। पुष्पा बैद द्वारा संस्कृत में नाटक प्रस्तुत किया गया। यह कार्यशाला संयोजिका कुमुद कच्छारा एवं मोहिनी देवी चोरड़िया मुम्बई द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के सहयोग से आयोजित की गई। अन्त में डॉ. मंजु नाहटा ने समणी वर्ग व विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षा विभाग

सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएँ

संस्थान के शिक्षा विभाग में 7 एवं 8 दिसम्बर, 2016 को दो दिवसीय सामूहिक क्रियात्मक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक लोकनृत्य एवं फिल्मी नृत्य, वाद-विवाद, डम्बशिराज, अनुपयोगी सामग्री का उपयोग, लोक एवं फिल्मी गीत, नाटक, मेहंदी, रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। निर्णायक के रूप में डॉ श्वेता जैन, सुश्री अंकिता जांगिड़ व नरेन्द कुमार सैनी, डॉ सरोज रॉय, डॉ अमिता जैन व श्रीमती नुपुर जैन, डॉ पुष्पा मिश्रा, डॉ विवेक माहेश्वरी, पूजा जैन ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन सत्र में जैन विश्वभारती संस्थान के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने अपने उद्बोधन में छात्राओं की प्रस्तुतियों को सराहनीय प्रयास बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को निरन्तर अपनी प्रतिभाओं को समयानुसार आगे लाने का प्रयास करना चाहिए। उसके लिये प्रयत्न करते रहना चाहिए। अंत में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो बनवारीलाल जैन ने छात्राओं की प्रतिभाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंच संचालन एम.एड. छात्रा पूजा वशिष्ठ एवं रागिनी शर्मा एवं मोनिका सिंह ने किया।

जीवन विज्ञान दिवस का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग में 12 नवम्बर, 2016 को जीवन विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष, प्रो. बी. एल. जैन ने जीवन विज्ञान को अन्तश्चेतना का विषय बताया और कहा कि जीवन विज्ञान रोगों से निजात दिलाता है। डॉ. अमिता जैन ने जीवन विज्ञान के औचित्य को बताया। डॉ. गिरिराज भोजक ने आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान, योग एवं जीवन विज्ञान को सदैव जीवन में अपनाने पर बल दिया। डॉ. आभासिंह ने जीवन विज्ञान को व्यवस्थित ढंग से जीने की कला बताया। इस मौके पर सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

विजयादशमी पर्व मनाया

संस्थान के शिक्षा विभाग में 10 अक्टूबर, 2016 को विजयादशमी पर्व का आयोजन समारोह पूर्वक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ. मनीष भटनागर, डॉ बी प्रधान, डॉ विष्णु कुमार, डॉ सरोज राय ने दशहरा पर्व हमें अवगुणों के रावण का नाश करके हमें राम बनने की कोशिश करने की प्रेरणा देता है। छात्राध्यापिकाओं में प्रीति स्वामी व अदिति कंवर ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ. अमिता जैन ने किया।

प्रसार व्याख्यान माला

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की अहम् भूमिका : प्रो. वशिष्ठ

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 30 अगस्त, 2016 को प्रसार व्याख्यान माला के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यान में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली पूर्व कुलपति प्रो. श्रीधर वशिष्ठ ने सामाजिक, शैक्षिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक परिदृश्य से जुड़ी समस्याओं के विविध कारणों एवं समाधानों पर प्रकाश डाला। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्याप्त दोषों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि आजकल शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का साधन माना जाता है। शिक्षा सेवा के स्थान पर व्यवसाय बनती जा रही है। जिससे अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। शिक्षक राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है अत: उसका चरित्र आदर्श, प्रेरक एवं मार्गदर्शन प्रदान करने वाला होना चाहिये।

भारतीय संस्कृति में निहित मूल्यों एवं उदात्त परम्पराओं को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि धैर्य, क्षमा, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव, परोपकार आदि को अपनाकर वर्तमान समाज को आज भी नई दिशा प्रदान की जा सकती है। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने आभार ज्ञापित किया।

खेल-कूद प्रतियोगिताएँ आयोजित

संस्थान के शिक्षा विभाग के अन्तर्गत शारीरिक गतिविधियों तथा खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन 10 से 13 दिसम्बर 2016 तक किया गया। उद्घाटन सत्र में शिक्षा विभाग विभागाध्यक्ष प्रो बनवारीलाल जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राध्यापिकाओं को प्रशिक्षण के दौरान गतिविधियों में भाग लेने से आंतरिक क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अच्छा अवसर मिलता है।

म्यूजिकल चैयर में प्रथम सुमन मैया बीएड, द्वितीय अनिता कुमावत बीए-बीएड, तृतीय सुमन पूनियां बीएड रही। 100 मीटर दौड़ में प्रथम अनिल बीए-बीएड, द्वितीय सुमन पूनियां बीएड व तृतीय पुष्पा मिन्धा बी.एड. रही। खो-खो प्रतियोगिता की प्रथम विजेता टीम पूर्णिमा चौधरी एवं द्वितीय स्थान पर सरिता राहड़ की टीम रही। कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विनोद बिडियासर की टीम, द्वितीय स्थान पर सुमन नैण की टीम एवं तृतीय स्थान पर मंजू की टीम रही। खेल-कूद प्रभारी डॉ सरोज राय ने समस्त छात्राध्यापिकाओं तथा संकाय सदस्यों का आभार प्रस्तुत किया।

संविधान दिवस का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 26 नवम्बर 2016 को संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मूल कर्तव्यों के संबंध में विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अदिति गौतम ने कहा कि हमें अपने सामाजिक, पारिवारिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति आस्था रखनी चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने सभी एम.एड. एवं बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को संवैधानिक अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षिका के तौर पर बी.एड. छात्राध्यापिकाओं को संविधान को पढ़ने, प्रचारित करने एवं राष्ट्रवाद के प्रति अपने मुख्य दायित्वों को निष्ठापूर्वक निभाने हेतु प्रेरित किया। डॉ. अमिता जैन ने संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मुख्य योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ. गिरिराज भोजक ने कहा कि आदर्श नागरिक निर्माण हेतु शिक्षकों को सदैव तत्पर रहना चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने संविधान दिवस के अवसर पर निर्धारित शपथ दिलवाते हुए छात्राध्यापिकाओं को संविधान और देश की अखण्डता के प्रति सदैव प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

गणेश चतुर्थी एवं शिक्षक दिवस मनाया

5 सितम्बर 2016 को संस्थान के शिक्षा विभाग में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बी. एड. छात्राध्यापिकाओं द्वारा मंगलाचरण एवं अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती को माल्यार्पण के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने समस्त छात्राध्यापिकाओं को कुशलता सम्पन्न शिक्षक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अन्तर्गत एम. एड. एवं बी. एड. छात्राओं विमला डोलिया, गीतान्जली, खुशबू योगी, गुंजन चौधरी, अंकिता, अदीति कंवर, प्रभा बिलानियां, धर्मशिखा, पुष्पा घोटिया द्वारा प्रेरक प्रसंग, गीत नृत्य एवं कविता की प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम का संचालन सुमन महला ने किया। इस अवसर पर अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में प्रो अनिलधर, डॉ रविन्द्र सिंह, डॉ विकास शर्मा सहित अनेक लोगों ने अपने विचार रखे।

अभिव्यक्ति कौशल कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग के अन्तर्गत अध्ययनरत छात्राध्यापिकाओं हेतु एक द्विवसीय "अभिव्यक्ति कौशल" कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अभिव्यक्ति कौशल के प्रमुख घटकों पर प्रकाश डालते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि अभिव्यक्ति कौशल कार्यशाला का उद्देश्य बी.एड. छात्राध्यापिकाओं में संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति सम्बन्धी लेखन, वाचन एवं श्रवण सम्बन्धी विविध योग्यताओं का विकास करना है। कार्यशाला में विविध विषयों पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा लिखित सामग्री तैयार की गई तथा विषय सम्बन्धी विचारों की मौखिक अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में समस्त संकाय सदस्यों सहित सभी बी.एड. छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

एंटी रैगिंग सेल जागरूकता कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को 20 अक्टूबर, 2016 को एंटी रैगिंग सेल की कार्य प्रणाली, उद्देश्य एवं नियमावली से अवगत करवाया गया।

विभागाध्यक्ष एवं सदस्य एण्टी रैगिंग स्क्वाड प्रो. बी. एल. जैन ने छात्राध्यापिकाओं को अपने प्रमुख अधिकारों के प्रति जागरूकता हेतु प्रेरणा देते हुए एण्टी रैगिंग सेल के प्रमुख पदाधिकारियों एवं संगठन की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। संस्थान के कुलसचिव एवं संयोजक, एंटी रैगिंग स्क्वाड विनोद कुमार कक्कड़ ने एण्टी रैगिंग से सम्बन्धित प्रमुख शब्दावली, उपबंधों, दण्ड नियमावली की जानकारी से सभी छात्राध्यापिकाओं को अवगत कराया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी. एल. जैन ने आभार ज्ञापित किया।

एकता दौड़ का आयोजन

संस्थान द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 28 नवम्बर, 2016 को एकता दौड़ का आयोजन शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। इस मौके पर कुलपति महोदय ने हरी झण्डी दिखाकर एवं छात्राओं को अभिप्रेरित कर दौड़ का शुभारंभ करवाया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत की रियासतों का एकीकरण किया और कहा कि हमें कठिन परिस्थितियों में भी एकता का परिचय देना चाहिए।

एकता दौड़ में प्रथम स्थान अनिता कुमावत, द्वितीय स्थान सुमन पूनियां व तृतीय स्थान पुष्पा सिद्ध ने प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में कौशल्या सैनी ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान पूर्णिमा चौधरी व तृतीय स्थान भावना कंवर खंगारोत ने प्राप्त किया।

पीएचडी स्कॉलर्स के लिये छ:माही कोर्स-वर्क आयोजित

संस्थान के शोध विभाग के तत्वावधान में छह मासीय कोर्स वर्क का शुभारम्भ संस्थान के सेमिनार हॉल में 16 सितम्बर, 2016 को समारोह पूर्वक हुआ। शोध विभाग के निदेशक प्रो आरबीएस वर्मा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए सभी उपस्थित शोध वर्क में शामिल स्कॉलर का स्वागत किया। उन्होंने छह मासीय कोर्स से संबधित जानकारी देते हुए कोर्स वर्क की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य तत्कालीन विशेषाधिकारी रह चुके विनोदकुमार कक्कड़ ने कहा कि यह विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में यूनिक कार्य कर रहा है। यहां शोध कार्य से सम्बधित सभी प्रकार की सुविधायें उपलब्ध है। कोर्स वर्क के संयोजक डॉ बिजेन्द्र प्रधान ने कहा कि शोध की प्रामणिकता के लिए कोर्स वर्क में आपकी रूचि ही प्रभावी हो सकती है। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए सह-संयोजक डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने कोर्स वर्क को स्कॉलर के लिए जरूरी बताया। इस अवसर पर देश भर से आये पीएचडी स्कॉलर सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

नैतिक दर्शन पर व्याख्यान माला

15 अक्टूबर, 2016 को संस्थान द्वारा नैतिक दर्शन विषय पर आयोजित व्याख्यान माला को संबोधित करते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने नैतिक मूल्यों का वैशिष्ट्य प्रस्तुत करते हुए जर्मनी के दार्शनिक काण्ट के नैतिक दर्शन को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ ने भारतीय दर्शन एवं काण्ट के दर्शन की तुलना करते हुए आत्मशुद्धि एवं कर्तव्य को प्रमुख बताया। प्रो दूगड़ ने कहा कि भारतीय दर्शन श्रेयोन्मुख रहा है। व्याख्यान माला के संयोजक डॉ मनीष भटनागर ने स्वागत एवं डॉ सत्यनारायण भारद्वाज ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक उपस्थित थे।

मानव अधिकार दिवस

संस्था के अहिंसा एवं शांति विभाग, द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने मानव अधिकारों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग के प्रो. दामोदर शास्त्री ने वैदिक व पौराणिक युग में मानव अधिकारों पर प्रकाश डाला तथा अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन पर विशेष जोर देने की बात कही। इस उपलक्ष पर समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पुष्पा मिश्रा ने महिला अधिकारों के संरक्षण को ध्यान में रखकर विश्व पटल पर होने वाली घटनाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने वर्तमान में मानव अधिकारों के लिए किए जाने वाले प्रयासों के बारे में जानकारी दी। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि मानव अधिकार मनुष्य को केन्द्र में रखकर बनाये गये हैं। उन्होंने जैन दर्शन के परस्परोपग्रहो जीवानाम् के सिद्धान्त पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने विश्व स्तर पर होने वाली हिंसा को कैसे रोका जाए तथा मानव अधिकारों का संरक्षण के प्रति जागरूकता कैसे लायी जाए, इस बात पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि मानव अधिकार को हर समय याद रखना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा ने किया।

विद्यार्थी चुनौतियों का सामना करना सीखें - कुलपति

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के अन्तर्गत 3 सितम्बर, 2016 को शिक्षक दिवस पर आयोजित नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत कार्यक्रम के अवसर संस्थान के कुलपति प्रो. बी. आर. दूगड़ ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों का सामना करना सीखना चाहिए। शिक्षा से ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है।

कार्यक्रम में विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने नवागन्तुक छात्र-छात्राओं का स्वागत किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सह-आचार्य डॉ जुगल किशोर दाधीच ने विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विभाग के शोधार्थी उपस्थित थे। विभाग के विद्यार्थी काजल चौहान, प्रेरणा जैन ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन कोमल शर्मा ने किया। सहायक आचार्य डॉ विकास शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 28 सितम्बर, 2016 को महाप्रज्ञ सभागार में किया गया। शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक से विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर को संबोधित करते हुए विभाग के प्रो अनिल धर ने कहा कि अहिंसक जीवन शैली से ही मूल्यों की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नैतिकता, करुणा, मैत्री, सहयोग, आपसी भाइचारे, प्रेम की स्थापना अहिंसा प्रशिक्षण के द्वारा ही संभव है। प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने हिंसा के दुष्प्रभावों की मीमांसा करते हुए अहिंसा प्रशिक्षण को जरूरी बताया। इस अवसर पर योग विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने योग एवं आसन का प्राणायाम का प्रशिक्षण देते हुए योग के लाभ बताये। शिविर के संयोजक डॉ विकास शर्मा ने अहिंसा प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वच्छता अभियान का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा 29 सितम्बर, 2016 को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर के शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय,शिक्षा के सामने, वॉलिबॉल ग्राउण्ड, पार्किंग, केंटीन सहित अनेक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में प्रो. आरबीएस वर्मा, कुलसचिव प्रो. अनिलधर, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. रविन्द्रसिंह राठौड़, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. गिरधारीलाल शर्मा, डॉ. आभासिंह सहित अनेक लोगों ने भाग लेकर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

महिला एनसीसी दल का दस दिवसीय शिविर जोधपुर में

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की महिला एनसीसी की 16 छात्रायें 25 दिसम्बर को जोधपुर के लिये रवाना हुई। एनसीसी की 3 राज बटालियन की ओर से महाराजा हनुवंत सिंह मैमोरियल गर्ल्स कॉलेज में आयोजित एनसीसी कैम्प में ये छात्राओं ने भाग लिया। इस दस दिवसीय शिविर में दल प्रभारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में जोधपुर गई थी।

बैंकिंग में कॅरियर की संभावनाएं

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर काउन्सलिंग सैल के संयुक्त तत्वावधान में 16 सितम्बर, 2016 को व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। बैंकिंग विषय पर बोलते हुए पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धक पवन स्वामी ने विद्यार्थियों को बैंकिंग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर, उनकी तैयारी करने का तरीका एवं उनके कॅरियर को लेकर मार्गदर्शन दिया।

संस्थान के तत्कालीन विशेषाधिकारी विनोद कुमार कक्कड़ ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अध्ययन के लिए सभी सुविधायें उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया एवं भविष्य में विद्यार्थियों के कॅरियर को लेकर सभी मुख्य क्षेत्रों से सम्बन्धित विशेषज्ञों को व्याख्यान माला के लिए आमन्त्रित करने का आश्वासन दिया। प्राचार्य डॉ. जुगल दाधीच ने स्वागत भाषण व उप-प्राचार्य व कॅरियर काउन्सलिंग सैल की समन्वयक पूजा जैन ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। संयोजन छात्रा दिव्या जांगीड़ ने किया।

शिक्षक दिवस पर नई सोच पर बल

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में शिक्षक दिवस का पूर्व आयोजन 2 सितम्बर, 2016 को कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता हुआ। कुलपति प्रो. दूगड़ ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को जीवन में प्रतिपल कुछ नया करने, नया सोचने पर बल दिया तथा महापुरुषों, माता-पिता एवं शिक्षकों के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। संस्थान के विशेषाधिकारी रहे विनोद कुमार कक्कड़ ने भी छात्राओं को ज्ञान के लिए लालायित रहने की प्रेरणा दी और कहा कि प्रत्येक छात्रा अपने जीवन में बहुत आगे बढ़ सकती है बशर्ते कि वह निरन्तर प्रयासरत रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रा किरण सिंधी, आरजू खान, माया शर्मा, पलक सोनी, निकिता कला, श्वेता चौहान ने शिक्षाप्रद नाटक प्रस्तुत किया। पूजा शर्मा आरती सोलंकी, किरण बानो, निकिता दाधीच, रिया जैन आदि ने गीत एवं नृत्य के माध्यम से आकर्षक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर छात्राओं ने अपने गुरुओं को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन मुस्कान एवं रश्मि ने किया। कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ जुगलकिशोर दाधीच ने भी सम्बोधित किया।

कॅरियर निर्माण कार्यशाला

संस्थान के कॅरियर काउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 15 अक्टूबर, 2016 को ''कॅरियर 12वीं के बाद'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लाछू मनोहर उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं केसरदेवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की 12वीं कक्षा की छात्राओं एवं शिक्षकों ने भाग लिया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए शिक्षक और विद्यार्थी के बीच अच्छे संबंधों पर जोर देते हुए अपनी बात रखी। महाविद्यालय की उप-प्राचार्या पूजा जैन ने प्रजेण्टेशन से 12वीं के बाद कॅरियर के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने कॅरियर गाइडेंस में जैन विश्वभारती संस्थान के योगदान का जिक्र किया और संस्थान द्वारा प्रारम्भ किये जा रहे नये कॉर्सेज बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी.-बी.एड. तथा सूचना प्रौद्योगिकी के रोजगारोन्मुखी अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। छात्राओं द्वारा विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित पूछे गये प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर संकाय सदस्यों ने दिया एवं विद्यार्थियों को भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। विद्यालयों के शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सहायक आचार्य मधुकर दाधीच ने आभार ज्ञापन किया। स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने जैन विश्वभारती संस्थान का भ्रमण किया एवं यहां की व्यवस्था एवं संसाधनों की प्रशंसा की।

Youth Camp
For

शांति कायम करने के लिये सामर्थ्यवान बनना जरूरी

अहिंसा एवं शांति प्रशिक्षण के लिये युवा शिविर का आयोजन

अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के प्रशिक्षण के लिये एक दिवसीय युवा शिविर का आयोजन 8 फरवरी को हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुये रजिस्ट्रार विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा, जब तक बच्चा दिल से सोचता है, वह सही रहता है, लेकिन जब से दिमाग से सोचना शुरू करता है तो समाज की विकृतियां उस पर हावी होने लगती है। हमें समाज को बुनियाद से सुधारना है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों को मानता है और उन्हीं के प्रसार का कार्य कर रहा है। कक्कड़ ने कहा- अपने आपको समर्थ बनाये बिना किसी को अपनी बात मनवाना मुश्किल होता है। केवल सामर्थ्यवान ही अपनी बात को सबको मनवा सकता है। इसके लिये अच्छी शिक्षा, अच्छा कैरियर, अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी भाषा का होना जरूरी है। इन सबसे ही व्यक्ति सामर्थ्यवान बनता है और वह शांति स्थापित कर सकता है।

हर युवा भीतर से मजबूत बने

प्रो. अनिल धर ने अपने सम्बोधन में बताया कि हमारी युवा शक्ति पर ही आने वाले भारत का दायित्व आयेगा। भारत शक्तिशाली बने, इसके लिये हर युवा को भीतर से मजबूत बनना होगा। दयानन्द सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय के निदेशक हरेकृष्ण शर्मा ने बाहरी व आंतरिक हिंसा के बारे में बताया तथा अपने अंदर विचारों की हिंसा, घृणा, द्वेष आदि का त्याग करने की आवश्यकता बताई। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रभारी डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने युवा शिविर की प्रस्तावना प्रस्तुत की तथा कहा हिंसा को समाज से मिटाने के लिये और युवाओं को नई सोच, नई दिशा देने के लिये जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयास कर रहा है। डा. जुगल दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन शिविर संयोजक डा. विकास शर्मा ने किया। युवा शिविर में 100 सम्भागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के डा. अशोक भास्कर ने अहिंसा प्रशिक्षण के प्रायोगिक अभ्यास करवाये। युवाओं को अनुप्रेक्षा, विशेष आसन, प्राणायाम एवं विभिन्न यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया।

International Trip to Florida International University (FIU), USA

Prof. Samani Satya Pragya and Dr. Samani Rohini Pragya continued teaching in the spring semester 2017 after the fall semester 2016 at FIU. In this semester they taught five courses namely, Introduction to Asian Religions, Meditation and Spiritual Development, Healing in Asian Religions, Sanskrit language, Sanskrit Literature of which one was online course. In total one hundred and five students participated in these courses.

Both the Samani ji conducted Preksha Club activities that consists of eighty-five members as well as in the Law Collage of FIU through out the semester. Guest lecture on Jainism were delivered among the graduate students of FIU enrolled with Prof. Steven Vose's. Online guest lectures on Jainism were delivered in the university of Dallas, and Los Angles. Apart from this they visited Rice University of Huston, Texas Duke University of Raleigh, North Carolina. Samani Rohini Pragya gave a introductory speech on the occasion of Bhagwan Mahavira Janma Kalyanaka lecture series at FIU. Samani Satya Pragya and Samani Rohini Pragya were the panelists on film screening on Santhara: A Challenge to Indian Secularism. Samani ji organized a intensive meeting of Jain Education and Research Foundation (JERF) at FIU regarding the planning and projects of JERF.

Guest lectures arranged in the department of Religious Studies, as well as other forums of FIU were well received by Samani ji. They participated in the conference on Women in Philosophy arranged by Philosophy Club. Samani Rohini Pragya became the complementary winner in the Library Fair arranged by FIU library.

Annual Preksha Mediation Camps for three days were organized by respective JVB centers of Orlando and London in which both the samani ji were resource persons. Lectures on A's of Jainism were delivered throughout the year in Jain Temple, Miami dealing lectures on Ahimsa, Aparigrha, Anekanta, Anushasan, Abhay, Arhat, Anukampa etc. Participation in Vegan club, Plant based diet club, Tao Temple lectures with Master Lee on Chinese Religion and Philosophy was part of the stay at Miami.

We had wonderful co-operation from the Dean John Stack, Head of Religious study Department Prof. Erick Larson, Prof. Steven Vose, Director of Jain Studies Professorship Chair, Admistrative department Luz, Yusimi and all at FIU and the entire Jain community of Miami as well as all who were in touch from different states of North America.

आचार शुद्धि, व्यवहार शुद्धि व विचार शुद्धि का मार्ग है महावीर का दर्शन- मुनि स्वस्तिक कुमार

संस्थान के ऑडिटोरियम में 8 अप्रेल को मुनिश्री स्वस्तिक कुमार व मुनिश्री हिमांशु कुमार के सान्निध्य में एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में महावीर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवा केन्द्र व्यवस्थापक मुनिश्री स्वस्तिक कुमार ने कहा, महावीर के दर्शन में अहिंसा, अपरिग्रह व अनेकांत के सिद्धांत व्यक्ति में आचार शुद्धि, व्यवहार शुद्धि व विचार शुद्धि करने का मार्ग है। हर व्यक्ति को इन्हें अपना कर अपना जीवन महत्वपूर्ण बनाना चाहिये।

सत्य सर्वदा व सबके लिये होता है

मुनिश्री हिमांशु कुमार ने कहा- महापुरुषों का जीवन कालजयी व कालातीत होता है। उस पर समय की पर्तें नहीं जम पाती। उनकी जीवन गाथा की एक-एक पंक्ति प्रेरणा होती है। उन्होंने कहा कि सत्य के लिये कोई काल या बंधन नहीं होता; सत्य सबके लिये और सर्वदा रहता है। सत्य कभी अनुकूल नहीं होता, बल्कि हमें ही सत्य के प्रति अनुकूल बनना पड़ता है। सत्य कड़वा होता है, लेकिन उसे जीवन में उतार लेने वाले का जीवन मीठा बन जाता है। उन्होंने भगवान महावीर के जीवन को प्रायोगिक बताते हुये कहा उसे केवल सुनना-समझना नहीं है, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारें।

खुद को बनायें यशोगान के लायक

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि महावीर का जीवन समता, सहिष्णुता, संयम आदि से ओतप्रोत था, हमें उनके गुणों का अनुकरण करना चाहिये। उन्होंने भारत की महानता के पीछे महावीर, बुद्ध, विवेकानन्द, गांधी वगैरह को बताते हुये कहा कि हम इन महापुरुषों का केवल यशोगान ही नहीं करें, बल्कि अपने आप को इस योग्य बनावें कि आने वाली पीढ़ियां हमारा यशोगान करें। मुख्य अतिथि प्रो. अनिल धर ने कहा- भगवान महावीर के संदेशों को साम्प्रदायिक नहीं बनावें, बल्कि उन्हें जन जन तक पहुंचा कर उपयोगी बनावें। वित्ताधिकारी आरके जैन ने कहा कि आदमी अपने भाग्य का खुद ही निर्माता होता है। उसे अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ता है। उन्होंने महावीर के सिद्धांतों को समेट कर रखने को गलत बताते हुये कहा कि उन्हें जीवन में लायें और उन्हें समाज का आधार बनावें। डा. योगेश जैन व डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता बताई। कार्यक्रम में डा. अमिता जैन व सुरक्षा जैन ने भजन प्रस्तुत किये।

जैनविद्या एवं अंग्रेजी विभाग की सामूहिक विदाई वेला सम्पन्न

संस्थान के जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त आयोजना में उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 16 अप्रेल को किया गया। यह आयोजन एम.ए. पूर्वार्द्ध के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं विभागाध्यक्षा प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने सफल जीवन के लिए अपने लक्ष्य का निर्धारण, समय का सदुपयोग, शक्ति का सदुपयोग और परोपकार की भावना रखना इन चार बातों के माध्यम से विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन के रूप में संस्थान के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा, क्वालिटी पर विश्वास होना चाहिए न कि क्वान्टिटी पर। आज भौतिकवादी युग क्वान्टिटी की होड़ में क्वालिटी को अनदेखा कर रहा है जबकि सफलता प्राप्त करने के लिए क्वालिटी की आवश्यकता होती है। समणी मुक्तप्रज्ञा ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन विनय जैन ने तथा अंग्रेजी विभाग की छात्रा माया पारीक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग की डॉ समणी शशिप्रज्ञा, समणी अमलप्रज्ञा, मुमुक्षु मधुमिता, अजिता, सोनम, शरद जैन, तन्मय जैन, अक्षय जैन, कंचन शर्मा आदि उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग

प्रसार भाषण माला का आयोजन

समग्र विकास के लिये जीवन में योग का समावेश आवश्यक : प्रो. भट्टाचार्य

शिक्षा विभाग में 24 जनवरी, 2017 को प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यानमाला कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुये बंगाल के शांति निकेतन विश्वविद्यालय के प्रो. जगतराम भट्टाचार्य ने विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाई और अपने व्याख्यान में कहा, शिक्षण-प्रशिक्षण के दौरान प्रज्ञान, ज्ञान एवं सूचना का समन्वित रूप विद्यार्थी में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने आप को एक विद्यार्थी के रूप में देखना-समझना चाहिए, अन्यथा हमारा विकास अवरुद्ध हो जायेगा। उन्होंने सर्वांगीण विकास के लिये प्रत्येक क्रिया जैसे उठना, बैठना, चलना, बोलना सबके प्रति सजग रहने और उनमें योग का समावेश करने पर जोर दिया तथा कहा कि हर व्यक्ति की दिनचर्या में योग का अस्तित्व हर कहीं मौजूद रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा जीवन के सभी पक्षों को हमें मजबूत करना है तो समग्र दृष्टिकोण से जीवन जीने की कला को समझना आवश्यक है। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ज्ञान का दायरा बढ़ाने के लिये कक्षा के दायरे से निकलें

प्रसार भाषण माला का आयोजन

शिक्षा विभाग में 25 जनवरी को आयोजित प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बांके कक्कड़ ने छात्राध्यापिकाओं को 'कैसे सिखायें कक्षा के बाहर' विषय पर बोलते हुये कहा- बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिये कक्षाओं के दायरे के अलावा उन्हें आउटडोर शिक्षण दिया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि बच्चे प्रत्यक्ष देखे हुये को जल्दी ग्रहण करते हैं। उन्हें दृश्यावलोकन से सीधा अनुभव होता है। बच्चों को कक्षा में पाठ्यपुस्तकों से सिखाये गये ज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव बाहर के भ्रमण से हो जाता है। उन्होंने बताया कि इससे उनके ज्ञान का दायरा बढ़ेगा तथा उनमें रचनात्मक प्रवृति पैदा होगी। कक्कड़ ने कहा परस्पर सम्मान एवं नम्रता पूर्ण व्यवहार करने की कला भी बच्चे इस बाहरी भ्रमण के दौरान सीखते हैं। उनकी सोच परिपक्व बनती है तथा सम्पूर्ण विकास संभव होता है। उन्होंने अपने व्याख्यान में आउटडोर शिक्षण की आवश्यकता, विधि, तैयारी आदि सभी सम्बंधित पक्षों के बारे में बताया तथा कहा कि अध्यापक को भ्रमण के लिये लेकर जाने वाले क्षेत्र का पूरा ज्ञान होना आवश्यक है। वहां की भौगोलिक स्थिति, मौसम, सुरक्षा व बचाव के साधन साथ में होने चाहिये। उन्होंने बताया विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से अनुरूपता रखने वाले स्थान को ही भ्रमण के लिये चुनना चाहिये। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने छात्राध्यापिकाओं द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने विषय को महत्वपूर्ण एवं शिक्षण कार्य के लिये व्यावहारिक उपयोगी बताते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया।

छात्राध्यापिकाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सृजनात्मक कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन 10 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली से आये सेवाराम ने छात्राध्यापिकाओं को पेपर कटिंग से विभिन्न सृजनात्मक वस्तुओं के निर्माण की विधियां बताई तथा उन्हें प्रेक्टिकल बनाना सिखाया। कार्यक्रम में फूल, गुलदस्ते एवं अन्य पेपर डिजाईनें छात्राओं ने सीखने के बाद निर्माण में सहभागिता निभाते हुये उन्हें अपने हाथों से निर्मित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने इस अवसर पर कहा- हस्त कौशल से व्यक्तित्व का विकास भी होता है। हर विद्यार्थी में कौशल विकास आवश्यक है।

जीवन के हर क्षेत्र में है विज्ञान की दखल- प्रो. जैन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 26 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने विज्ञान को विस्तार पूर्वक समझने की आवश्यकता बताते हुये कहा- केवल भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान आदि विषयों तक ही विज्ञान को सीमित नहीं समझना चाहिये, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान को समझना चाहिये। चाहे अर्थ का क्षेत्र हो, समाज का, राजनीति का या व्यवहार का सभी में विज्ञान की दखल मौजूद है। यह विज्ञान का विस्तार है। आज तो अध्यात्म के प्राचीन विज्ञान को भी आधुनिक विज्ञान फिर से अपनी शोध का विषय बना रहा। इस अवसर पर अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार रखें। छात्रा प्रज्ञा भाटी, अंजलि रैवाड़, भावना अग्रवाल ने भी विज्ञान दिवस मनाये जाने के पीछे की कहानी एवं भारत के प्राचीन व अर्वाचीन वैज्ञानिकों व उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष भटनागर ने किया।

मकर संक्रांति व लोहड़ी

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 13 जनवरी को लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने इन त्यौहारों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुये इनके भारतीय संस्कृति में योगदान को चित्रित किया।

कार्यक्रम में मनप्रीत कौर, पूजा वशिष्ठ व आशीशिखा ने लोहड़ी व मकर संक्रांति को मनाये जाने के पीछे के कारण व कहानी को बताया तथा सूर्य के उत्तरायण आने को एक पर्व की संज्ञा देते हुये इसे हर व्यक्ति ही नहीं समूची प्रकृति के लिये एक त्यौहार बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. विष्णु कुमार ने किया।

उच्च शिक्षा व कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

जैन विश्व भारती संस्थान की ओर से जसवंतगढ़ कस्बे के विभिन्न विद्यालयों में उच्च शिक्षा और कैरियर के निर्माण एवं विषय पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन 13 जनवरी को किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रो. बीएल जैन ने कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर निर्माण के सम्बंध में बोलते हुये कहा, विश्वविद्यालय में चल रहे चार वर्षीय बीए-बीएड एवं बीएससी-बीएड पाठ्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थी सीनियर सैकेंडरी के बाद शिक्षा के क्षेत्र में सीधा प्रवेश ले सकता है। उन्होंने शिक्षा की राष्ट्र-निर्माण में महती भूमिका पर प्रकाश डाला तथा इस क्षेत्र को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिये श्रेष्ठ बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रभारी डा. बी. प्रधान ने सोशल वर्क क्षेत्र में शिक्षा हासिल करने एवं कैरियर बनाने के बारे में बताया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डा. अमिता जैन ने महिला शिक्षा की व्यवस्थाओं एवं कन्याओं के आगे बढ़ने के रास्तों पर प्रकाश डाला। डॉ. गिरधारीलाल शर्मा, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. आभा सिंह, डॉ. विष्णु कुमार, डा. गिरिराज भोजक, डॉ. अदिति गौतम, डॉ. सरोज राय आदि ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। विश्वविद्यालय की इस टीम ने राजकीय सर्वहित सीनियर सैकेंडरी स्कूल, श्री भवानी निकेतन राजकीय बालिका उच्च सैकेंडरी स्कूल व मारोदेवी हनुमानबक्स सर्राफ उच्च सैकेंडरी स्कूल में मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया। दल सुजला कॉलेज में भी पहुंचा जहां की व्यवस्थाओं, लेबोरेट्री, लाइब्रेरी आदि का निरीक्षण किया तथा वहां विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई

संस्थान में 12 जनवरी को विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का आयोजन किया गया। प्रो. जैन ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में स्वामी विवेकानन्द को एक महान दार्शनिक, संत, राष्ट्रभक्त तथा शिक्षाविद के रूप में रेखांकित करते हुये कहा, वे पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा व्यवहारिक ज्ञान पर बल देते थे। कार्यक्रम में डा. गिरिराज भोजक, डा. गिरधारीलाल शर्मा, रागिनी शर्मा, सरिता यादव, अंजू चौयल, सरिता शर्मा व अदिति कंवर ने सम्बोधित करते हुये स्वामी विवेकानन्द के जीवन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा उन्हें आधुनिक भारत की अवधारणा का प्रणेता बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. अमिता जैन ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

शिक्षा विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन की अध्यक्षता में 8 मार्च को कार्यक्रम आयोजित किया। प्रो. जैन ने पुरुष व महिला के बीच सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत बताते हुये नारी शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर विभाग के शैक्षिक सदस्यों एवं छात्राध्यापिकाओं ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डा. गिरधारी शर्मा ने किया।

विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बिजेन्द्र प्रधान ने महिला दिवस के महत्व बताई। डा. पुष्पा मिश्रा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सुनिल शर्मा ने किया।

महाशिवरात्रि पर्व का आयोजन

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत महाशिवरात्रि पर्व का आयोजन 23 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संकाय सदस्यों द्वारा भगवान शिव-पार्वती को पुष्पांजलि अर्पण एवं आरती के साथ किया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं ने सुन्दर गीतों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरोज राय ने किया।

फागोत्सव मनाया

शिक्षा विभाग व आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 11 मार्च को किया गया। कार्यक्रम में सभी ने परस्पर गुलाल लगाकर होली मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने भारतीय त्यौहारों का महत्व बताया तथा होली मनाने के पीछे की कहानी के अर्थ को समझाया। उन्होंने होली पर आपसी द्वेष-भाव को छोड़ कर परस्पर सौहार्द का व्यवहार करने की आवश्यकता बताई। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. अमिता जैन ने होली को खुशियों का त्यौहार कहा। कार्यक्रम में डा. मनीष भटनागर, डा. प्रगति भटनागर व सुरेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने आभार ज्ञापित किया।

डा. अम्बेडकर के समरसता सिद्धांत को फैलाने की जरूरत- प्रो. जैन

शिक्षा विभाग में डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन 13 अप्रैल को किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने कहा, समाज में व्याप्त विषमताओं को त्याग कर प्रत्येक वर्ग, जाति को बराबरी देने के हिमायती डा. अम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का रास्ता दिखाया था। उन्होंने निम्न वर्ग, उच्च वर्ग की अवधारणाओं के विरुद्ध हर प्रकार की असमानता को छोड़कर समानता के मार्ग पर बढ़ने के लिये पूरे देश को प्रेरित किया था। आज उनके बताये हुये मार्ग पर चलने की तथा समरसता के सिद्धांत को फैलाने की आवश्यकता है। सहायक आचार्य डा. विष्णु कुमार ने कहा कि समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिये आज भी डॉ. अम्बेडकर से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। डॉ. गिरिराज भोजक ने कहा भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की विचारधारा को प्रचारित करने की जरूरत है, ताकि समाज को उसके अनुकूल बनाया जा सके।

बसंत पंचमी पर्व मनाया

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन 1 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बदलते हुये मौसम और उसके जनजीवन पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विचाराभिव्यक्ति करने के साथ भजन प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आभा सिंह ने किया।

विश्व योग दिवस

कार्यक्रम आयोजित

शरीर व मन को स्वस्थ रखने के साधन हैं योग व प्राणायाम- मुनि स्वस्तिक कुमार

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जैन विश्व भारती स्थित आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षा ध्यान केन्द्र में योग अभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैन विश्व भारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस उपखंड स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुनि श्री स्वस्तिक कुमार ने कहा, विश्व में सभी प्राणी सुख की चाह रखते हैं। सुख शरीर व मन दोनों का होता है। जहां स्वास्थ्य होता है, वहां सुख होता है और शरीर को स्वस्थ-सुखी बनाने के लिये योग और मन को स्वस्थ व सुखी रखने के लिये प्राणायाम व ध्यान के उपक्रम हैं।

सर्वांगीण स्वास्थ्य के लिये योग आवश्यक

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अपने सम्बोधन में कहा, स्वस्थ शरीर में स्वस्थ चित व स्वस्थ बुद्धि का निवास होता है। योग से सर्वांगीण स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। आधुनिक युग में योग से व्यक्ति तनावमुक्त जीवन जी सकता है, इसलिये सभी को योग अपनाना चाहिये। पंचायत समिति के विकास अधिकारी कैलाश अग्रवालिया ने योग को जीवन का आवश्यक अंग बनाने की आवश्यकता बताते हुये उपखंड प्रशासन की ओर से सभी का आभार ज्ञापित किया तथा जैन विश्व भारती के निदेशक राजेन्द्र खटेड़ ने आयोजक संस्था की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रार्थना, कायोत्सर्ग, विभिन्न योगासन, यौगिक क्रियायें, विभिन्न प्राणायाम, मुद्रायें, ध्यान, शान्तिपाठ आदि का अभ्यास डा. युवराज सिंह खांगारोत ने करवाया। कार्यक्रम में एनसीसी की 3 राज. गर्ल्स बटालियन की तीन यूनिटों की छात्राओं, विमल विद्या विहार स्कूल, सोना देवी सेठिया गर्ल्स कॉलेज व जैविभा विश्वविद्यालय की यूनिट्स ने एएनओ निकिता, दिव्या जांगिड़ व भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में भाग लिया तथा राजकीय अधिकारी, समाजसेवक व गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी भगवान सिंह राठौड़, जलदाय विभाग के सहायक अभियंता मोहन मल रैगर, आयुष विभाग के डा. जेपी मिश्रा, थानाधिकारी भजन लाल, भाजपा अध्यक्ष हनुमान मल जांगिड़, भारत विकास परिषद के संरक्षक रमेश सिंह राठौड़, विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीके कक्कड़, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, डा. जुगल दाधीच आदि उपस्थित थे।

2017-18

S.N.	Programme	Date
1.	**International Yoga Day**	**21.06.2018**
2.	**Birth Anniversary of Lord Mahaveer**	**28.03.2018**
3.	**Sanskrit Diwas**	**05.08.2017**
4.	**International Nonviolence Day**	**02.10.2017**
5.	**International Human Rights Day**	**10.12.2017**
6.	**Teachers Day**	**05.09.2017**
7.	**Ganesh Chaturthi**	**25.08.2017**
8.	**Hindi Diwas**	**14.09.2017**
9.	**Karsishna Janastmi**	**14.08.2017**
10.	**Birth Anniversary of Swami Vivekanand**	**12.01.2018**
11.	**Ambedkar Jayanti**	**13.04.2018**
12.	**Guru Purnima**	**07.07.2017**
13.	**Saheed Diwas (Death anniversary of Mahatma Gandhi)**	**30.01.2018**
14.	**AadiShankracharya Jayanti**	**20.04.2018**
15.	**Vishva matrabhasha diwas**	**21.02.2018**
16.	**Birth Anniversary of J.L. Nehru**	**14.11.2017**
17.	**Gurunanak Jayanti**	**03.11.2017**
18.	**Sanklp Diwas**	**09.08.2017**

उपखंड स्तरीय योग समारोह आयोजित

योग जीवन को बदलने वाली क्रिया- मुनि जयकुमार

विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जैन विश्व भारती स्थित अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षा केन्द्र भवन में उपखंड स्तरीय योग समारोह में योग की विभिन्न क्रियायें, आसन, ध्यान व प्राणायाम आदि का सामूहिक अभ्यास करवाया गया। जैविभा विश्वविद्यालय, उपखंड प्रशासन एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त तत्वावधान में एवं जैन मुनि जयकुमार के सान्निध्य में आयोजित इस योग समारोह की अध्यक्षता जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की तथा मुख्य अतिथि विधायक मनोहर सिंह थे। मुनिश्री जयकुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि योग जीवन को बदलने वाली प्रक्रिया है। ध्यान व योग-साधना नियमित किये जाने पर ही उसके परिणाम सामने आते हैं।

योग से होती है चित्त की यात्रा

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि योग जहां शारीरिक स्वास्थ्य का लाभ देता है, वहीं योग से मन एवं चित्त को भी साधा जा सकता है। इससे चित्त की यात्रा भी संभव होती है। विधायक मनोहर सिंह ने इस अवसर पर योग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उपखंड अधिकारी रामसिंह राजावत ने योग को विश्व स्तर पर मिली मान्यता को भारतीय संस्कृति की विजय बताया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने अंत में आभार ज्ञापित किया।

योग समारोह में विश्वविद्यालय के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने सभी सम्भागियों को यौगिक क्रियायें, योगासन, ध्यान, प्राणायाम आदि के अभ्यास करवाये। इस अवसर पर तहसीलदार आदूराम मेघवाल, ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी श्याम सिंह चौहान, आयुर्वेद अधिकारी डॉ. जे.पी. मिश्रा, दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी तथा क्षेत्र के सरकारी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी एवं नागरिक गण ने सामूहिक योगाभ्यास किया।

संस्थान में मुख्यमंत्री का स्वागत

कुलपति ने किया वसुंधरा राजे का सम्मान

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे 3 मई को नहरी जल परियोजना का शुभारम्भ करने लाडनूं पहुंची तथा उन्होंने रात्रि विश्राम यहां शुभम् गेस्ट हाउस में किया। इससे पूर्व सायं उनके यहां पहुंचने पर जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने उनका शॉल ओढ़ा कर सम्मान किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के ट्रस्टी भागचंद बरड़िया व जीवन मल मालू भी थे।

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ एवं श्री भागचन्द बरड़िया ने मुख्यमंत्री से डूंगर रोड़ से नेशनल हाईवे को जोड़ने वाली सड़क को चौड़ा करने एवं कैम्पस में मीठे पानी की आवश्यकता से अवगत करवाया। इसके लिए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

महावीर जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

जिस सोच से समस्याएँ पैदा होती हैं, उससे समाधान नहीं निकल सकता- प्रो. दूगड़

संस्थान में महावीर जयंती के उपलक्ष में 28 मार्च को महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र एवं जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने भगवान महावीर के अनेकांत, संयम और परस्परता के सिद्धांतों को महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि खुलकर सोचना और प्रतिपक्ष के साथ सोचना अनेकांत है। जिस सोच से समस्याओं का जन्म होता है, उस सोच से समाधान नहीं निकल सकता। इसके लिये खुली सोच जरूरी है। अनेकांत एक क्रांतिकारी विचार था और आज भी उसकी महत्ता है। जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि भगवान महावीर अप्रमत्तता या सतत जागरूकता के प्रतिमूर्ति थे। जो अपनी आत्मा के प्रति सतत जागरूक रहता है, वह गलत काम नहीं कर सकता।

जीवन के लिए भाग्य नहीं पुरुषार्थ जरूरी

शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने महावीर के अहिंसा, समता, सहिष्णुता, संयम और अनेकांत को जीवन के लिये महत्वपूर्ण मूल्य बताया। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि महावीर पुरुषार्थ के प्रदीप्त पुरुष थे और हर व्यक्ति केवल पुरुषार्थ के बल पर ही अपने जीवन की यात्रा को पूरा कर सकता है। कार्यक्रम में वित्ताधिकारी आर.के. जैन, मुमुक्षु समता, विनय जैन, ज्योति नागपुरिया व सुविधा जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन व अंत में आभार ज्ञापन डॉ. योगेश जैन ने किया। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में भी महावीर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. मनीष भटनागर, मुकेश कुमार चौहान, वर्षा स्वामी, संतोष, सरोज व सुविधा जैन ने भगवान महावीर के जीवन व उपदेशों पर प्रकाश डाला।

अहिंसा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित

अहिंसा को अपनाने से व्यक्ति, परिवार व समाज सुखी बनता है- डॉ. भारिल्ल

संस्थान के अन्तर्गत महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में आचार्य तुलसी श्रुत-संवर्द्धिनी व्याख्यानमाला में 5 अप्रेल को महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अहिंसा की प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य व्याख्यानकर्ता पं. टोडरमल जैन सिद्धांत महाविद्यालय जयपुर के निदेशक डॉ. हुकमचंद भारिल्ल ने कहा कि राग आदि द्वेष हिंसा के मूल कारण होते हैं। महावीर ने 2500 साल पहले अहिंसा का सिद्धांत दिया था, वह आज पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। आज निर्दयता एवं हिंसा की भावनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में महावीर के सिद्धांतों पर चलने पर हम शांत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अहिंसा को अपनाकर व्यक्ति सुखी होगा और परिवार, समाज या देश द्वारा अहिंसा अपनाई जायेगी तो वे भी सुखी बन जायेंगे।

माध्यमिक शिक्षा में शामिल हो जीवन विज्ञान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने ईशावास्योपनिषद, गीता, देसी कहावतों आदि के आधार पर जीवन-व्यवहार को समझाया तथा निर्भय होने को अहिंसा का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि हिंसा का प्रारम्भ तब होता है, जब हम किसी के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करें। भगवान महावीर ने परस्परता और सह-अस्तित्व को अहिंसा का आधार बताया था। उन्होंने शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष से जीवन विज्ञान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता बताई, ताकि विद्यार्थी अपने जीवन को सर्वांगीण रूप से परिपूर्ण बना सकें। कुलपति ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में हैंडीक्राफ्ट स्किल डेवलप का कोर्स भी शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। शोधपीठ की निदेशिका प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने अंत में अपने सम्बोधन में अहिंसा को शाश्वत विषय बताया तथा कहा कि इसकी प्रासंगिकता सदैव ही बनी रहेगी।

हिंसा व अहिंसा को अलग-अलग करना मुश्किल

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तेरापंथ महासभा जोधपुर के ट्रस्टी दिलीप सिंघवी ने अपरिग्रह व समता के भाव को अहिंसा के लिए आवश्यक बताया। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय अजमेर के गणित विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार बिस्सू ने कहा कि अहिंसा की प्रासंगिकता इस सृष्टि के रहने तक रहेगी। संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. महावीर राज गेलड़ा ने पाश्चात्य संस्कृति के आगमन को अनुचित बताया।

संस्कृत दिवस

संस्कृत भाषा में लावण्य व भावों की प्रधानता है- प्रो. शास्त्री

प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग तथा जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत दिवस के अवसर पर 5 अगस्त, 2017 को आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता प्रो. दामोदर शास्त्री ने संस्कृत को अपभ्रंश में बदलने की चेष्टा को गलत बताया तथा कहा कि जनभाषा बनने पर विकृति आती है और वह नई भाषा बन जाती है, जो न संस्कृत रहेगी और न हिन्दी रह पायेगी। जरूरत इस बात की है कि संस्कृत की शुद्धता को बचाये रखा जावे।

रोजमर्रा की गतिविधियों की भाषा बने

समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार कच्छड़ ने संस्कृत को समृद्ध भाषा एवं समस्त भाषाओं की जननी बताते हुये कहा, इस भाषा को रोजमर्रा की भाषा और सामाजिक गतिविधियों की भाषा बनाये जाने की जरूरत है। इसकी ऐसी शब्दावली तैयार होनी चाहिये, जो ऑफिसियल कामों में प्रयुक्त हो सके। आचार्य कानू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संस्कृत को पूर्ण वैज्ञानिक भाषा बताते हुये टॉकिंग कम्प्यूटर के लिये इसे सबसे बेहतरीन भाषा बताया तथा कहा कि टॉकिंग कंप्यूटर के लिये अंग्रेजी भाषा को नकार दिया गया है।

बेल्जियम की युवतियों ने संस्कृत को श्रेष्ठ कहा

कार्यक्रम में बेल्जियम से आई विदेशी युवतियों कैटो व नैंगी ने संस्कृत भाषा में अपना संयुक्त वक्तव्य प्रस्तुत करते हुये संस्कृत साहित्य को विशाल तथा उपयोगी बताया व संस्कृत भाषा को श्रेष्ठ कहा। जैन दर्शन एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने संस्कृत को सरस व समृद्ध भाषा बताते हुये कहा कि प्रत्येक भाषा में संस्कृत के शब्द मिल जायेंगे। समणी सम्यक्त्वप्रज्ञा ने कहा कि संस्कृत वेद, उपनिषद, पुराण, टीका, न्यायशास्त्र, योग, दर्शन, जैन ग्रंथों आदि की भाषा रही है। यह समृद्ध भाषा है और भारत में जनभाषा रही थी। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त विभागाध्यक्ष समणी संगीतप्रज्ञा ने संस्कृत को धनार्जन का माध्यम बनाने की आवश्यकता बताई। विनय जैन ने संस्कृत गीतिका प्रस्तुत की तथा डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राच्य विद्याओं के संरक्षण के लिये आवश्यक है शोध- प्रो. यादव

रिसर्च मेथोडोलोजी पर व्याख्यान आयोजित

संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग तथा अहिंसा एवं शांति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 14 फरवरी, 2018 को सेमिनार हॉल में रिसर्च मेथोडोलोजी (शोध-कियाविधि) विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. आर.एस. यादव ने कहा कि संस्कृत व प्राकृत भाषाओं एवं प्राच्य विद्याओं की धरोहर के विकास के लिये उन पर शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। रिसर्च वैज्ञानिक प्रतिभा को उभरने का सुन्दर अवसर भी है। प्रो. यादव ने रिसर्च करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा द प्रॉब्लम, रिव्यू ऑफ द सोर्सेज, फुटनोट्स आदि बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर शोध-विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया व उन्हें उचित तरीके से शोध करने के लिये प्रेरित किया। प्रारम्भ में संस्कृत व प्राकृत भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डा. समणी संगीतप्रज्ञा ने कहा कि मेथोडोलोजी आज प्रत्येक विद्यार्थी के लिये आवश्यक है। अंत में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगल किशोर वाधवा ने आभार ज्ञापित किया।

शिविर का समापन समारोह

शिविर के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुये दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा है कि हिंसा के कारण विश्व में जो असंतुलन है, उसे रोकने और संतुलित करने के लिये अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने शिविर के तीनों दिनों के कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय शिविर में विवेक माहेश्वरी, समणी ऋजुप्रज्ञा, प्रो. अनिल धर, डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. जुगल किशोर दाधीच आदि ने शिविरार्थियों को अहिंसा का प्रशिक्षण प्रदान किया। शिविर के दौरान सभी को नियमित रूप से ध्यान, प्राणायाम व योग का अभ्यास करवाया गया। शिविरार्थी विक्रम सिंह राठौड़ चूरू, पीताम्बर शर्मा डीडवाना, ओमप्रकाश बिजारणियां, ममता कंवर राणावास, गणपत डीडवाना, पायल शर्मा किशनगढ़ व लक्ष्मण विश्नोई नागौर ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करते हुवे व्यवस्थाओं की प्रशंसा की तथा शिविर में आये परिवर्तनों के बारे में बताया। अंत में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने आभार ज्ञापित किया। डॉ. विकास शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार

इस तीन दिवसीय युवा प्रशिक्षण शिविर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, जिनमें विजेता रहे प्रतिभागियों को समापन समारोह में पुरस्कार प्रदान किये गये।

एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम राकेश नागौर, द्वितीय रविन्द्र कुमार डीडवाना एवं तृतीय स्थान पर ममता आचार्य राणावास रहे। एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दीपिका सोनी, द्वितीय ममता कंवर राणावास एवं तृतीय स्थान पर निर्मला राणावास रही। समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पिंकी पारीक एवं समूह लाडनूं, द्वितीय निशा एवं समूह किशनगढ़ व नीलम एवं समूह राणावास तथा तृतीय स्थान पर पीताम्बर एवं समूह डीडवाना रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम नरेन्द्र सिंह राठौड़ डीडवाना, द्वितीय पीताम्बर शर्मा डीडवाना एवं तृतीय स्थान पर दीनदयाल डीडवाना रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया

स्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा 10 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में डॉ. विकास शर्मा ने मानव अधिकार दिवस की महत्ता तथा मानवाधिकार की अवधारणा का सामान्य परिचय दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि व्यक्ति के नैसर्गिक विकास हेतु मानवाधिकारों की अहम भूमिका रहती है। प्रत्येक देश के नागरिकों के मानव अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. बलबीर सिंह ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विकास शर्मा ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अनिलधर ने महात्मा गांधी के आदर्शों को जीवन में अपनाने पर बल दिया तथा कहा कि जीवन पर्यन्त वे अहिंसा एवं सत्य के मार्ग पर चलते रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने महात्मा गांधी का जीवन और दर्शन दोनों को प्रासंगिक बताया। डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने महात्मा गांधी के स्वच्छता के संदेश को घर-घर पहुंचाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विकास शर्मा ने किया।

आधुनिक तकनीक व परम्पराओं के बीच सामंजस्य होना चाहिये

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह में अध्यक्षता करते हुये दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि ग्लोबाईजेशन के युग में हम आईसीटी के बिना आगे नहीं बढ़ सकते। तकनीक के कारण समस्त दूरियां सिमट गई हैं, लेकिन इसके कारण गुरु व शिष्य के बीच के सम्बंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिये। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एनसीईआरटी की डॉ. ऐरम खान ने कार्यशाला में हिस्सा लेने वाले सभी सम्भागियों को कहा कि राष्ट्रीय विकास का हिस्सा बनना चाहिये और शिक्षा के क्षेत्र में देश को आगे बढ़ाने के लिये अपनी भूमिका निभानी चाहिये। एनसीईआरटी की डॉ. अर्चना ने कहा कि कार्यशाला के सम्भागियों को यहां सीखे हुये ज्ञान को कभी भुलाना नहीं चाहिये। वे जीवन भर उपयोगी रहेगा। कार्यशाला के प्रतिभागी रविन्द्र कुमार मारू कोटा, तन्मय जैन व मुमुक्षु आरती ने अपने अनुभव साझा किये। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने अंत में आभार ज्ञापित किया।

इन विषयों पर दिया प्रशिक्षण

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डिजीटल डेकोरेशन, ई-पाठशाला, स्वयं पोर्टल, एडिटिंग सॉफ्टवेयर, ओपन रिसोर्स, ई-रिसोर्स का प्रयोग करने, वीडियो रिसोर्स, स्क्रिप्ट लेखन, कैमरे के सामने पेश करने, लाईसेंस, वीडियो एडिटिंग, शॉट्स लेने के तरीके, एनिमेशन, ऑडेसिटी, सिनेरियम, आईपीआर ई-कंटेंट, फ्लिप्ड क्लासरूम, क्रियेटिव कॉमन साईट, ओईआर आदि के बारे में एनसीईआरटी के विषय विशेषज्ञों डा. मो. मामूर अली, डॉ. सुधीर सक्सेना, डॉ. यशपाल, डॉ. यशवन्त शर्मा, डॉ. अर्चना, डॉ. ऐरम खान आदि ने सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें मुस्कान, प्रेमलता, विजयश्री, यतिश्री, प्रियंका, निशा, सरिता चौधरी, प्रीति जांगिड़, एकता, मीनाक्षी, अमृता, फिरोजा, भारती एवं विशाखा ने विभिन्न क्षेत्रीय नृत्यों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आभा सिंह ने किया।

शिक्षक कक्षाओं तक सीमित न रह कर समाज में व्यवस्थायें सुधारें- कुलपति

शिक्षक दिवस का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस का आयोजन 5 सितम्बर को समारोह पूर्वक किया गया। प्रो. दूगड़ ने शिक्षक दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि शिक्षक केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर समाज की व्यवस्थायें सुधारने एवं विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण में अपना विशिष्ट योगदान दें। उन्होंने कहा कि यदि हमें नये भारत का निर्माण करना है तो शिक्षकों का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की छात्राओं द्वारा नृत्य, गायन, कविता, विचाराभिव्यक्ति आदि की प्रस्तुतियां सरिता यादव, सुनिता स्वामी, सुमन महला, गुंजन चौधरी, खुशबू जोशी, संतोष, विजयलक्ष्मी, प्रियंका आदि ने दी। इस अवसर पर प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय, डॉ. आभा सिंह, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. गिरधारी शर्मा, श्रीमती ममता सोनी, देवीलाल कुमावत, मुकुल सारस्वत सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विमला चौधरी ने किया।

शुभभावना कार्यक्रम

मूल्यों को आत्मसात कर उनका प्रसार करें– कुलपति

जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग में अध्ययनरत बी.एड. तथा एम.एड. छात्राओं का शुभभावना कार्यक्रम 23 सितम्बर, 2017 को आयोजित किया गया। छात्राध्यापिकाओं को संबोधित करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने उन्हें भावी जीवन के लिये शुभकामनाएं देते हुये कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे मूल्यों को न केवल अपने जीवन में आत्मसात करें, बल्कि जहां भी जायें, इनको प्रसारित करें। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि इस अद्वितीय संस्थान में सीखे ज्ञान तथा मूल्यों की आभा को जहां भी रहें, फैलाते रहें। संस्थान के उपकुलसचिव डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने कहा कि आचार्य तुलसी की इस पवित्र धरा पर जो भी ज्ञान प्राप्त किया, वह आपके आगामी जीवन को निश्चित ही एक नई दिशा प्रदान करेगा। शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि विभाग में दो वर्ष के दौरान सीखा गया ज्ञान, हमेशा आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा तथा व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

कार्यक्रम के दौरान छात्राध्यापिकाओं ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, गीत, कविता तथा गेम्स प्रस्तुत किये। छात्राध्यापिकाओं ने प्रशिक्षण के दौरान के अपने अनुभव साझा किये। इन प्रस्तुतियों में रागिनी, अंकिता द्विवेदी, वत्सला, सुमन महला, सुनीता सहजवानी, कविता, पूनम गौड़, विशाखा, पूनम एवं समूह, दिव्या पारीक, फिरोजा, आकांक्षा चारण, सरिता किरोड़ा, सपना स्वामी, गीतांजली ने भाग लिया।

कार्यक्रम में डॉ. गिरधारीलाल शर्मा, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. सरोज राय, डॉ. आभा सिंह, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. बी.प्रधान, ममता सोनी, मुकुल सारस्वत, देवीलाल एवं समस्त एम.एड., बी.एड., बी.एससी-बी.एड., बी.ए.-बी.एड. की छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रही। मंच संचालन आयुषी सैनी तथा जोहरा फातिमा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विष्णु कुमार द्वारा किया गया।

गणेश चतुर्थी पर्व मनाया

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 25 अगस्त, 2017 को गणेश चतुर्थी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने गणेश को शुभत्व, विद्या एवं समृद्धि का प्रतीक बताते हुये गणेश को विद्यावान, चरित्रवान एवं शुभलक्षण व्यक्तित्व का आदर्श बताया। कार्यक्रम के आरम्भ में ध्यान योग के रूप में छात्राध्यापिकाओं ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की सस्वर आरती की। छात्राओं ने गणेश के जन्म से लेकर उनकी बाल लीलाओं के बारे में बताया और देश के विभिन्न हिस्सों में गणेश उत्सव मनाये जाने की प्रथाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरीराज भोजक ने किया।

हिन्दी दिवस : भाषा से बाजार से जोड़ें

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 14 सितम्बर, 2017 को आयोजित हिन्दी दिवस के कार्यक्रम में कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा कि हिन्दी भाषा को भावनाओं के साथ-साथ बाजार से भी जोड़ना आवश्यक है। हिन्दी सच्चे अर्थों में तभी सशक्त भाषा बन पायेगी

जब उसको बाजार से जोड़ा जाये। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भावी अध्यापिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि देशवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि लगभग 50 प्रतिशत भारतीय हिन्दी भाषी है। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि हिन्दी हमारी संस्कृति और सभ्यता के विकास की आधार-शिला है। छात्रा पूजा वशिष्ट ने भी विचार व्यक्त किये एवं बी.एड. छात्रा सरिता शर्मा, खुशबू योगी ने कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी दिवस प्रभारी डॉ. सरोज राय ने किया।

रक्षाबंधन आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का पर्व - प्रो. जैन

शिक्षा विभाग में 4 अगस्त, 2017 को रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा, रक्षाबंधन केवल आर्थिक सुरक्षा के लिये ही पर्व नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का पर्व भी है। यह हमारी संस्कृति की रक्षा का संकेत देता है। कार्यक्रम में सरिता शर्मा व कोमल ने भी अपने विचार कविता के माध्यम से प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन चंचल गौड़ ने किया।

जन्माष्टमी : कृष्ण के जीवन का अनुकरण जरूरी बताया

शिक्षा विभाग में 14 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व के अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने बताया कि कृष्ण का जीवन हर वर्ग के व्यक्ति के लिये प्रेरणादायी है, सभी को उनका अनुकरण करना चाहिये। डॉ. सरोज राय ने श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को प्रेममयी, दयावान व क्षमावान बताया। कार्यक्रम में सुमनी एवं समूह ने 'कान्हा अब तो मुरली की मधुर सुना दो तान...' भजन प्रस्तुत किया एवं प्रवीण कंवर ने कृष्ण के 1008 नामों का उल्लेख किया।

स्वामी विवेकानन्द की 153वीं जयंती मनाई

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द की 153वीं जयंती 12 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई गई। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने इस अवसर पर कहा कि कभी कठिनाईयों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि विपरीत परिस्थिति में भी सामना करते हुए आगे बढ़ना चाहिये। डॉ. अमिता जैन ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन से शिक्षा ग्रहण करने की आवश्यकता बताई। बी.एससी-बी.एड की छात्रा अनुप्रिया ने स्वामी विवेकानन्द की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. आभा सिंह, डॉ. गिरधारी लाल शर्मा, डॉ. ममता सोनी एवं मुकेश उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती पर 'सामाजिक समरसता' कार्यक्रम

शिक्षा विभाग में 13 अप्रेल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर यहां "सामाजिक समरसता कार्यक्रम" आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दलितों के सामाजिक पुनरुत्थान, मानव सेवा तथा भारतीय लोकतंत्र की सफल स्थापना हेतु अपना महती योगदान दिया। कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिका अंकिता शर्मा, ललिता फिड़ौदा, सुनिता जैन आदि ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने किया।

शैक्षणिक भ्रमण

जयपुर में विद्यार्थियों ने किया ज्ञान-विज्ञान से साक्षात्कार

शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण दल ने 27 जनवरी को जयपुर का दौरा किया। इस दल में 55 विद्यार्थी एवं 7 संकाय सदस्य शामिल रहे। इस दल के समस्त सदस्यों ने जयपुर में विज्ञान पार्क में सूचना प्रौद्योगिकी गैलरी, म्युजियम, तारामंडल गैलरी आदि का अवलोकन किया तथा विज्ञान से जुड़े तथ्यों को जाना-समझा। उन्होंने तारामंडल में अंतरिक्ष के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने बिड़ला मंदिर, मोती डूंगरी, गणेश मंदिर, गुलाब बाग, अक्षर धाम आदि का भ्रमण करके ऐतिहासिक, धार्मिक व पुरातात्विक ज्ञान प्राप्त किया। इस दल में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन, भ्रमण प्रभारी डॉ. सरोज राय, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. अमिता जैन, डॉ. गिरधारी लाल, देवी लाल, किशन टाक एवं विद्यार्थी शामिल थे।

शैक्षणिक भ्रमण में प्राचीन मंदिर व कला देखी

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय ऐतिहासिक भ्रमण 17 जनवरी को लाडनूं शहर के जैन मन्दिरों का भ्रमण छात्र- छात्राध्यापिकाओं एवं संकाय सदस्यों द्वारा किया गया।

यहां स्थित बड़ा जैन मंदिर, जो भूगर्भ से प्राप्त 1100 वर्ष से भी प्राचीन ऐतिहासिक जैन मंदिर है। भूगर्भ से मूर्तियां, स्तम्भ, आलेख, अवशेष आदि पुरातात्विक प्रमाण, आकर्षक तलगृह, देवी सरस्वती की संगमरमर निर्मित अति प्राचीन कलात्मक सुंदर प्रतिमा तथा मंदिर की सूक्ष्म नक्काशी को देखा गया। लाडनूं के सभी जैन मंदिरों का भ्रमण ज्ञानवर्द्धक एवं प्राचीन स्थापत्य, मूर्तिकला, धार्मिक भावनाओं, परम्पराओं आदि की जानकारी देने वाला रहा। छात्राध्यापिकाओं को मंदिरों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से भी अवगत कराया गया। भ्रमण में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय, डॉ. गिरिराज

ा ा ज क

एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 12 सितम्बर को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत बी.एड., एम.एड., बी.ए.-बी.एड., बीएससी.-बी.एड एवं बीएससी की लगभग 250 छात्राओं का दल डूंगर बालाजी पहुंचा, जिसमें शिक्षा विभाग के समस्त संकाय सदस्य भी शैक्षिक भ्रमण में शामिल थे। वहां पहुंचकर दर्शन उपरांत भजनों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बालाजी के भजन, हनुमान चालीसा गीत प्रस्तुत किये।

छात्राओं ने श्रमदान कर बनाया विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ

संस्थान में 2 दिवसीय (22-23 फरवरी, 2018) स्वच्छता अभियान के तहत विश्वविद्यालय की छात्राओं ने शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन के नेतृत्व में परिसर के विभिन्न स्थानों में श्रमदान करके सफाई कार्य किया। छात्राओं के अलग-अलग दल बनाये जाकर उन्होंने अपने जिम्मे पृथक-पृथक स्थानों की सफाई का जिम्मा लिया और पूरी तन्मयता के साथ सफाई का कार्य पूर्ण किया। विश्वविद्यालय के समस्त संकायों के सदस्यों ने भी छात्राओं के साथ श्रमदान में अपनी सहभागिता दिखाई।

होली पर सुर संगम कार्यक्रम में छाया लोकगीतों का माधुर्य

होली के पर्व पर 27 फरवरी, 2018 को यहां शिक्षा विभाग में विद्यार्थियों ने सुर संगम कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बीएड, बीएससी-बीएड एवं बीए-बीएड की छात्राओं ने भजनों, लोक गीतों एवं फिल्मी पैरोडियों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आगाज होली के पारम्परिक गीत 'होलिया में उड़े रे गुलाल....' से किया गया। कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य, समूह लोकगीत, एकल नृत्य आदि की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें प्रियंका बिडियासर, तनुजा सैनी व दिव्या सोनी के गीतों ने सबको मोहा, तो जीहरा फातिमा व अम्बिका शर्मा, सुरक्षा जैन, पूजा गौड़, संतोष, सरोज व सरिता की प्रस्तुतियों को भी सभी ने सराहा। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने लोकगीतों एवं विविध गीतों की प्रस्तुतियां दी। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने बधाईयां दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शकुन्तला शर्मा ने किया।

चार दिवसीय विभागीय कार्यशाला

शिक्षा विभाग में कौशल विकास व विद्यार्थियों में दक्षता विकसित करने के लिये 2 जनवरी, 2018 से चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. आभा सिंह, डॉ. अमिता जैन आदि ने जानकारी दी। कार्यशाला में प्रदर्शन कौशल, प्रस्तावना कौशल, श्यामपट्ट कौशल, प्रश्न कौशल आदि में पारंगत किया गया।

महावीर जयंती मनाई

शिक्षा विभाग में 28 मार्च, 2018 को महावीर जयंती का कार्यक्रम आयोजित आयोजित किया गया। डॉ. मनीष भटनागर, मुकेश कुमार चौहान, वर्षा स्वामी, संतोष, सुविधा जैन व सरोज ने भगवान महावीर के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

शिक्षा विभाग में 8 मार्च, 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डा. मनीष भटनागर, डॉ. आभा सिंह, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. सरोज राय, पार्वती, सुमित, सोनू, प्रियंका, मनसुखी, आयुषी, चन्द्रावती, चेतना आदि ने अपनी अभिव्यक्ति देते हुये महिला उत्थान की जरूरत पर बल दिया।

मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

मानवाधिकार दिवस 8 दिसम्बर, 2017 को शिक्षा विभाग में कार्यक्रम आयोजित करके विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता बताई तथा सभी संकाय सदस्यों ने परस्पर शुभकामनायें दी।

दीपावली पर कार्यक्रम

दीपावली पर्व पर 13 अक्टूबर, 2017 को रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ. आभा सिंह, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. गिरधारी शर्मा, ममता सोनी, देवीलाल व मुकुल सारस्वत ने विचार व्यक्त किये। छात्राध्यापिकाओं नृत्य एवं समूह, पूजा गौड़, सरोज, रेखा व पूजा ने नृत्य प्रस्तुत किये। सुरक्षा जैन ने गीत, मंजु, आयुषी व जीहरा ने विचार पेश किये। संचालन जीहराव आयुषी ने किया।

गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया

शिक्षा विभाग में 7 जुलाई 2017 को गुरू पूर्णिमा पर्व पर विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. भावप्रीत प्रधान, छात्राध्यापिका मंजु, खुशबू शर्मा, प्रीति स्वामी, चम्पा माली आदि ने विचार व्यक्त किये। डॉ. सरोज राय ने आभार ज्ञापित किया। संचालन डॉ. गिरिराज भोजक ने किया।

अध्ययन के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करें- कुलपति

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 24 मार्च को ज्ञानकेन्द्र का उद्घाटन करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए लम्बे समय तक साधना करनी पड़ती है। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अध्ययन के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करते रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में यह एक अच्छी शुरूआत हो रही है। ज्ञान केन्द्र में आई.ए.एस., आर.ए.एस., बैंकिंग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पर्याप्त सामग्री की उपलब्धता रहेगी। तत्पश्चात कुलपति ने प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी के साथ ज्ञानकेन्द्र कक्ष का अवलोकन किया। प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि इस ज्ञानकेन्द्र के माध्यम से छात्राओं को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का साहित्य उपलब्ध मिलेगा तथा आगे बढ़ने का मार्गदर्शन भी मिलेगा।

शहीद दिवस पर किया महात्मा गांधी को याद

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 30 जनवरी, 2018 को शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी हुई अनेक बातें छात्राओं के साथ साझा किया। कार्यक्रम में छात्रा हेमलता शर्मा व दीपिका राजपुरोहित ने काव्य प्रस्तुति के माध्यम से गांधी के सपनों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

मंगल भावना समारोह

धैर्य के साथ प्रयास करने पर मिलती है सफलता- प्रो. दूगड़

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा है कि जीवन में धैर्य खोने से नुकसान उठाना पड़ता है। सदैव प्रयासरत रहना चाहिये और अच्छा बनने का प्रयास करना चाहिये। वे 17 अप्रेल को आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के मंगलभावना समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने इस अवसर पर छात्राओं को शुभकामनायें देते हुये कहा कि यहां केवल डिग्रियों के लिये ही शिक्षा नहीं दी जाती, बल्कि यहां व्यक्तित्व को तराशने का काम किया जाता है। समारोह में छात्राओं ने नृत्य, गीत, योगासन आदि के साथ विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर अंतिम वर्ष की छात्राओं को द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा उपहार देकर विदाई दी गई।

इनका किया गया सम्मान

इस अवसर पर महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ रही छात्राओं, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों तथा क्षेत्र के विद्यालयों के प्राचार्यों व प्रधानों का भी सम्मान किया गया। कुलपति प्रो. दूगड़ ने इनके अलावा महाविद्यालय द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया, जिनमें लक्ष्मी भाटी सुजानगढ़ को पहला पुरस्कार, ज्योति जांगिड़ सुजानगढ़ को द्वितीय पुरस्कार, दयानन्द स्कूल के नत्थूराम मीर्या को तृतीय पुरस्कार एवं मुरारी शेखावत निम्बी जोधां व मनोज रलावा निम्बी जोधां को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। इनके अलावा महाविद्यालय की श्रेष्ठ छात्रा के रूप में ज्योति नागपुरिया को, बेहतरीन एकरिंग के लिये हेमलता शर्मा व दीपिका राजपुरोहित को, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अग्रणी रहने पर किरण बानो को, एनसीसी में उपलब्धि के लिये मानसी बुगालिया को सम्मानित किया गया।

नई सोच के साथ विकास मार्ग पर बढ़ाया जायेगा महाविद्यालय

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य पद पर 4 जुलाई, 2017 को दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही शिक्षकों की बैठक ली तथा कहा कि महाविद्यालय को अब एक नई सोच और नये चिंतन के साथ विकास के मार्ग पर बढ़ाया जाना है। उन्होंने बताया कि यहां लाईब्रेरी आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जायेगा, ताकि बच्चे अपने विषय के बारे में पूर्ण रूप से समझ सकें तथा शिक्षण के साथ शैक्षणेत्तर गतिविधियों का महत्व भी होता है, ताकि छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके; इसके लिये हर गुरूवार को स्पोर्ट्स, सांस्कृतिक गतिविधियां, क्रियेटिव एक्टीविटी, सॉफ्ट स्किल्स, कैरियर रिलेटेड कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जायेगा। छात्राओं को वाद-विवाद, लेखन कला, चित्रकला, इंग्लिश स्पोकन, संस्कृत सम्भाषण आदि द्वारा पूर्ण रूप से पारंगत बनाने के लिये प्रयास किया जायेगा, ताकि इस महाविद्यालय के विद्यार्थी हर क्षेत्र में श्रेष्ठ बन पाये।

'कम्पनी सेक्रेट्री कैसे बनें' विषयक व्याख्यान आयोजित

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 30 अक्टूबर को कैरियर काउन्सलिंग के तहत 'कम्पनी सेक्रेट्री कैसे बनें' विषयक व्याख्यान रखा गया, जिसमें 'द इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेट्रीज ऑफ इण्डिया' के सहायक निदेशक राजेश गुप्ता ने कम्पनी सेक्रेट्री के कार्यक्षेत्र विस्तार एवं वर्तमान एवं भविष्य में उससे जुड़ी संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का भी यथोचित उत्तर देकर समस्याओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने मूल्यपरक शिक्षा को व्यक्तित्व विकास का आधार स्तम्भ मानते हुए छात्राओं को पर्सनलिटी डवलपमेंट कर जीवन के स्वर्णिम पथ पर अग्रसर होने हेतु आह्वान किया।

मातृभाषा से होता है मानसिक विकास- प्रो. त्रिपाठी

विश्व मातृभाषा दिवस मनाया

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि मातृभाषा के माध्यम से जो ज्ञान सीखा जाता है, वह विद्यार्थी सहजता से हृदयंगम कर सकता है। कार्यक्रम में हेमलता शर्मा, मेहनाज बानो, सुमन प्रजापत, करिश्मा खान, नन्दिनी पारीक, दक्षता कोठारी, नीलोफर बानो आदि ने मातृभाषा पर अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी व्याख्याता अभिषेक चारण ने किया।

निबंध व भाषण प्रतियोगिता आयोजित- संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में भी मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में कुल 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने की।

मेहनाज ने जीते एक माह में तीन राज्य स्तरीय पुरस्कार

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मेहनाज बानो द्वारा मात्र एक माह की अवधि में लगातार तीन राज्य स्तरीय पुरस्कार हासिल करने पर उसे कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़, कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी सहित समस्त स्टाफ ने बधाई दी। छात्रा मेहनाज बानो ने झुंझुनूं के जेजेटी विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व कुचामनसिटी में राजकीय पीजी महाविद्यालय में 2 फरवरी को आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया था और उससे पहले जैविभा विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में लक्ष्मी भाटी रही प्रथम

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2017-18 के परिणामों की घोषणा करते हुये प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गांधी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजानगढ़ की लक्ष्मी भाटी रही। द्वितीय स्थान पर भी गांधी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजानगढ़ की छात्रा ज्योति जांगिड़ एवं तृतीय स्थान पर दयानन्द स्कूल लाडनूं का छात्र नाथूराम मौर्य रहा तथा प्रोत्साहन पुरस्कार के लिये भीकूलाल सारड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निम्बी जोधा के छात्र मुरारी रांकावत व मनोज रलावा का चयन किया गया।

आदि शंकराचार्य की जयंती मनाई

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 20 अप्रैल को आदि शंकराचार्य की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि शंकराचार्य के जीवन-दर्शन से स्पष्ट होता है कि महानता का पैमाना कभी अवस्था नहीं होता। उन्होंने बताया कि व्यासजी के महाग्रंथ ब्रह्मसूत्र पर भाष्य मात्र 16 वर्ष की अवस्था में लिख दिया था। उन्होंने 8 वर्ष की अवस्था में चारों वेद पढ़ लिये थे। कार्यक्रम का संचालन सोनिका जैन ने किया।

अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में विद्यार्थियों के विकास की दृष्टि से विद्यार्थियों के संदर्भ में अभिभावक-शिक्षक बैठक 25 नवम्बर को आयोजित की गई। बैठक के दौरान अभिभावकों को महाविद्यालय परिवार के ओर से फीड बैक फॉर्म वितरित कर महत्त्वपूर्ण सुझावों के लिए आमंत्रित किया गया। बैठक में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक-छात्र एवं अभिभावक एक ऐसी संरचना है, जिसके द्वारा छात्र का सर्वांगीण विकास संभव होता है। प्रो. त्रिपाठी ने छात्राभिभावकों को महाविद्यालय की जुलाई से लेकर अब तक की सभी गतिविधियों से अवगत भी करवाया, जिसमें छात्राओं को जुलाई माह में दिए गए मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण, जुलाई से अक्टूबर तक प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली क्लब गतिविधियां, प्रत्येक जयन्ती को प्रार्थना कक्ष में उत्साह से मनाना एवं ज्ञान केन्द्र के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि का विवरण दिया गया।

बैठक के दौरान अभिभावक इशाक खान, बीरबल प्रजापति, प्रदीप कोठारी आदि ने महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये तथा संस्थान के उत्कृष्टतम कार्यों की सराहना की। बैठक में कुछ महिला अभिभावकों ने भी अभिव्यक्तियां दी। इस दौरान महाविद्यालय के बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा हेमलता शर्मा ने महाविद्यालय के वैशिष्ट्य को अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की नवाचार करने की गतिविधियों एवं प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। बैठक के प्रभारी अभिषेक चारण, डॉ. बलवीर सिंह एवं सोनिका जैन आदि ने अभिभावकों से सीधे संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

हिन्दी दिवस : वैश्विक ऊंचाईयों पर है हिंदी

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में हिन्दी भाषा के महत्त्व को बरकरार बनाये रखने के लिए 15 सितम्बर को हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी को विषय-संकीर्णता से नहीं बल्कि भाषा-व्यापकता एवं उसके बढ़ते महत्त्व के आधार पर देखना चाहिए, क्योंकि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी भाषा नित नई ऊंचाईयां छू रही है और हिन्दी भाषा की श्रेष्ठता पर आज समूचा विश्व एकमत नजर आता है। कार्यक्रम में छात्रा सरिता शर्मा, भगवती, दीपिका राजपुरोहित, रेखा हरिजन, रश्मि, निकिता, सरिता, राजलक्ष्मी, माया शर्मा आदि ने हिन्दी दिवस पर अपने विचार रखकर विषय एवं भाषा की सार्थकता प्रकट की।

शिक्षक दिवस मनाया

5 सितम्बर को आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. दूगड़ एवं कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अपने विद्यार्थी जीवन से जुड़ी से कई यादें साझा की। कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़, प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ. गोविन्द सारस्वत, अभिषेक चारण ने अपने विचार व्यक्त किये। उषा सेन, अंकिता, माया एवं संध्या द्वारा सामूहिक नृत्य एवं मानसी जांगिड़, पूजा, महिमा प्रजापत, निष्ठा मोदी, रेखा गुर्जर, कौशल्या, दीपिका गिरिया एवं खुशनुमा ने मनोहारिक नृत्य की प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रतिष्ठा एवं दक्षिता कोठारी ने नृत्य के साथ गणेश वंदना प्रस्तुत किया। छात्रा ज्योति नागपुरिया एवं रेखा हरिजन ने आभार प्रकट किया व स्लाईड शो से शिक्षकों से जुड़ी यादों को प्रस्तुत किया गया। अंत में पेपर पासिंग खेल के माध्यम से सभी शिक्षकों ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादें साझा की। कार्यक्रम का संचालन हेमलता शर्मा, प्रतिष्ठा व दक्षिता कोठारी ने किया।

भाई-बहिन के प्यार का प्रतीक है रक्षाबंधन

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 5 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि भाई-बहिन का प्यार जाति-धर्म से ऊपर होता है और इस प्यार का प्रतीक राखी का त्यौहार भी सबके लिये होता है। कार्यक्रम में जगदीश यायावर, ज्योति नागपुरिया, कृष्णा सेन, रश्मि, दीपिका, पूजा कंवर व हेमलता ने रक्षा बंधन के त्यौहार का महत्त्व, मनाने के कारण आदि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक चारण ने किया।

बाल-दिवस पर नेहरू को याद किया

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 14 नवम्बर को नेहरू जयन्ती को बाल-दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने प्रथम प्रधानमंत्री एवं कुशल राजनीतिज्ञ जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनकी विदेश नीतियों एवं उनसे पड़ने वाले वैश्विक प्रभावों को बताया। कार्यक्रम में प्रत्येक संकाय की छात्राओं ने जवाहरलाल नेहरू की जीवन स्मृतियों को याद किया। डॉ. प्रगति भटनागर, सोनिका जैन, डॉ. बलवीरसिंह, सोमवीर सांगवान एवं अभिषेक चारण ने विचार रखे।

गुरूनानक जयन्ती मनाई

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 3 नवम्बर को गुरुनानक जयन्ती का आयोजन प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में रखा गया। उन्होंने गुरु नानक के जीवन एवं उनसे जुड़ी घटनाओं को बताया। हिन्दी व्याख्याता अभिषेक चारण ने गुरुनानक द्वारा सिक्ख धर्म की स्थापना से लेकर गुरु गोविन्दसिंह तक के सिक्ख आदर्शों को अभिव्यक्त कर इस पंथ के स्वर्णिम इतिहास की जानकारी दी।

संस्थान को नई ऊंचाइयां देने के लिए समर्पित रहें-कुलपति

नव वर्ष समारोह

वर्ष 2018 के शुभागमन पर सेमिनार हॉल में 3 जनवरी को संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने संस्थान की श्रेष्ठता एवं सर्वोच्चता के लिये समस्त सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताते हुये गत वर्ष के योगदान की सराहना की और भविष्य में भी संस्थान को नई उंचाईयां मिलने के लिये प्रयासरत रहने का विश्वास जताया। उन्होंने वर्ष 2018 में प्रस्तावित कार्ययोजनाओं का जिक्र करते हुए योगा, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल एवं कॉलेज खोलने की संभावना व्यक्त की तथा सभी से ध्येय पथ पर निरंतर गतिमान रहने की अपेक्षा की। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संस्थान के विकास में एकजुट होकर लक्ष्य को अर्जित करने पर विशेष बल दिया। कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने नये वर्ष में आत्मविश्वास से आपूरित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समणी नियोजिका प्रो. ऋतुप्रज्ञा ने सभी सदस्यों को संस्थान के प्रति समर्पित बताया और कहा कि नववर्ष में यह भावना और विकसित होनी चाहिए।

नववर्ष पर उत्साह जनक कार्यक्रम

संस्थान में नववर्ष पर 1 जनवरी 2018 को महाप्रज्ञ सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि नववर्ष के प्रथम दिवस आत्मावलोकन व आत्मचिंतन का दिन है, ताकि अपने गुजरे

अतीत से सबक लेकर भविष्य संवार सकें। रमेश दान चारण ने देशभक्ति गीत, विनय जैन, हेमलता शर्मा, प्रवीणा कंवर, कंचन स्वामी ने कवितायें एवं तांबी दाधीच ने एकल नृत्य की प्रस्तुति दी। उपकुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. बी. एल. जैन, डॉ. विजेन्द्र प्रधान, डॉ. जुगल किशोर दाधीच, डॉ. गोविन्द सारस्वत, डॉ. योगेश जैन, अभिषेक चारण, डॉ. विकास शर्मा ने विश्वविद्यालय परिवार के लिये मंगलकामनायें व्यक्त की।

नये भारत के निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिये मन व कर्म से जुट जायें- प्रो. दूगड़

संकल्प दिवस मनाया

भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 9 अगस्त को यहां विश्वविद्यालय में संकल्प दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने बताया कि 9 अगस्त 1942 को लिये गये आजादी के संकल्प से ही स्वतंत्रता की नींव पड़ी थी और 15 अगस्त 1947 को देश की स्वतंत्रता के रूप में उसकी सिद्धि मिली थी। उन्होंने आजादी की लड़ाई के सेनानियों एवं उनके द्वारा दिये गये नारों को याद करते हुये कहा कि हमें उन सेनानियों के बलिदान पर गर्व करना चाहिये। प्रो. दूगड़ ने नये भारत के निर्माण के संकल्प को सन 2022 तक सिद्ध करने के आह्वान के साथ कहा कि मन व शरीर से मजबूत बन कर ही सभी संकल्प की सिद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

सामूहिक संकल्प लिया

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, व्याख्याताओं, स्टाफ आदि ने नये भारत के निर्माण का संकल्प लिया। उन्होंने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे स्वच्छ, गरीबी मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, आतंकवाद मुक्त, सम्प्रदाय मुक्त व जातिवाद मुक्त भारत के निर्माण करने में अपने मन और कर्म से जुट जायेंगे। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने सबको एक साथ संकल्प ग्रहण करवाया। इस अवसर पर कुलसचिव वी. के. कक्कड़, उप कुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अनिल धर मंचस्थ थे।

2018-19

S.N.	Programme	Date
1.	**Sanskrit Diwas**	**25.08.2018**
2.	**Hindi Diwas**	**13.09.2018**
3.	**Sardar Vallabh Bhai Patel Jayanti**	**31.10.2018**
4.	**International Human Rights Day**	**10.10.2018**
5.	**Vishva Sakhcharta Diwas**	**08.09.2018**
6.	**International Veterans Day**	**01.10.2018**
7.	**Teachers Day**	**05.09.2018**
8.	**Surgical Strike Day**	**01.10.2018**
9.	**Birth Anniversary of J.L. Nehru**	**14.11.2018**
10.	**Guru Purnima**	**27.07.2018**
11.	**Birth Anniversary of Lord Mahaveer**	**16.04.2019**
12.	**Birth Anniversary of Swami Vivekanand**	**12.02.2019**
13.	**Saheed Diwas**	**30.01.2019**
14.	**Death Anniversarry of Saheed Bhagat Singh**	**23.03.2019**
15.	**Vasant Panchmi Diwas**	**09.02.2019**
16.	**International Yoga Day**	**21.06.2019**

संस्कृत दिवस

ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति से परिचित होने के लिये सीखें संस्कृत- डॉ. संगीत प्रज्ञा

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के तत्त्वावधान में 25 अगस्त को आयोजित संस्कृत दिवस समारोह में मुख्य वक्ता प्रो. दामोदर शास्त्री ने कहा है कि हमारा ध्येय हमेशा श्रेष्ठ बनने का रहना चाहिये। हम आर्य बनें, हमारी भाषा आर्य हो, हमारी शिक्षा, हमारा क्षेत्र, हमारा व्यवसाय आदि समस्त श्रेष्ठ यानी आर्य होने चाहिये। भाषा आर्य बनाने के लिये संस्कृत मौजूद है। भाषा ही आर्यत्व का आधार है। संस्कृत हमें संस्कारित करती है। यह वाणी का परिष्कार करती है। अगर ध्यान दें तो हमें संस्कृत का वर्चस्व हर क्षेत्र में दिखाई देगा। चाहे नमस्ते शब्द हो या न्यायालय का सत्यमेव जयते- ये सब संस्कृत का ही प्रभाव है। संस्कृत शब्दों का भंडार है। समस्त भाषायें शब्दों के लिये संस्कृत की ओर ही देखती हैं और उससे ही शब्द ग्रहण करती हैं। भाषा का सारा विकास ही संस्कृत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास की पूर्णिमा से हमारे देश में वेदों का अध्ययन शुरू करने की परम्परा रही है। इसी कारण इस दिवस को भारत सरकार ने संस्कृत दिवस घोषित किया है।

संस्कृत साहित्य में है अथाह ज्ञान का भंडार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संस्कृत दिवस की शुभकामनायें देते हुये संस्कृत को समृद्ध भाषा बताया तथा कहा कि संस्कृत के शास्त्र समुद्र की तरह अथाह है। इनमें समस्त प्रकार का ज्ञान-विज्ञान भरा पड़ा है। उन्होंने संस्कृत को लोगों तक पहुंचाने के लिये आवाज उठाने की जरूरत बताई तथा कहा कि यह देववाणी होने के साथ ही जनभाषा भी है। प्राकृत एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. समणी संगीतप्रज्ञा ने बताया कि संस्कृत भाषा हमारे देश की प्राचीन ही नहीं बल्कि सुसमृद्ध भाषा है, जिसमें देश के प्राचीनतम ग्रंथ वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत आदि की रचना हुई है। अपने देश के ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति आदि से परिचित होने के लिये आवश्यक है कि हम संस्कृत व प्राकृत भाषा सीखें। हमें संस्कृत का पटन-पाठन सीखने के साथ सम्भाषण भी सीखना चाहिये। संस्कृत व प्राकृत भाषाओं का महत्व सदैव रहेगा, इसलिये इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिये।

संस्कृत नाटक का प्रस्तुतिकरण

कार्यक्रम में छात्र विपुल जैन ने संस्कृत को फिर से प्रचलन में लाये जाने की आवश्यकता बताई और कहा कि हम जीवन में संस्कृत का उपयोग बढ़ायें एवं जन-जन तक उसे पहुंचायें। मुमुक्षु बहिनों ने इस अवसर पर लोक कथा पर आधारित संस्कृत नाटिका प्रस्तुत की। मुमुक्षु सुरभि ने संस्कृत पहेलियां बूझी और उनके उत्तर प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का प्रारम्भ मंगलाचरण से किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगल किशोर दाधीच, जैन विद्या विभाग के डा. योगेश कुमार जैन, सुनीता इंदौरिया एवं विदेश से अध्ययनार्थ आई छात्रायें आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुमुक्षु प्रेक्षा व मुमुक्षु सुरभि ने किया।

अभिलेख, लिपियों व भाषा विज्ञान पर व्याख्यान आयोजित

संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के तत्त्वावधान में अभिलेख, लिपियों एवं भाषा विज्ञान के सम्बंध में दो दिवसीय व्याख्यान-माला का आयोजन 30 अगस्त को किया गया। व्याख्यानमाला में में दिल्ली के डा. रवीन्द्र कुमार वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को अभिलेखों एवं लिपियों की जानकारी देते हुये ब्राह्मी लिपि, खरोष्ठी लिपि आदि की वर्णमाला का ज्ञान करवाया तथा इन लिपियों में अक्षर लेखन का अभ्यास करवाते हुये इन लिपियों के उद्भव व विकास का विस्तृत विवेचन किया। उन्होंने बताया कि भाषा को लिपियों में लिखने का प्रचलन भारत में ही शुरू हुआ। यहां से अन्य देशों के लोगों ने लेखन को सीखा। प्राचीनकाल में ब्राह्मी और देवनागरी लिपि का प्रचलन था। ब्राह्मी और देवनागरी लिपियों से ही दुनियाभर की अन्य लिपियों का जन्म हुआ। ब्राह्मी भी खरोष्ठी की तरह ही पूरे एशिया में फैली हुई थी। उन्होंने अभिलेख, ताड़पत्र, भोजपत्र आदि की जानकारी भी दी।

हिन्दी में शिखर तक पहुंचने की शक्ति– प्रो. त्रिपाठी

हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के तत्वावधान में हिन्दी दिवस के अवसर पर 13 सितम्बर को सेमिनार हॉल में कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी को प्रतिष्ठा दिलवाने में महर्षि दयानन्द सरस्वती और महात्मा गांधी ने बहुत प्रयास किये थे, जबकि वे दोनों ही गुजराती भाषी रहे थे। हिन्दी में शिखर तक पहुंचने की वह शक्ति है, जो अन्य किसी भाषा में नहीं है, लेकिन इसके लिये हमें संकल्प लेकर काम करना होगा।

हिन्दी की प्रतिष्ठा के लिये आंदोलन जरूरी

मुख्य अतिथि प्रो. दामोदर शास्त्री ने कहा कि हिन्दी को पुष्ट बनाना है तो उसकी जड़ को मजबूत करना होगा और हिन्दी की जड़ संस्कृत भाषा है। हिन्दी में आज अंग्रेजी व उर्दू के शब्दों की भरमार हो रही है, यह गलत है। हम अपने मूल संस्कृत से जुड़ कर ही हिन्दी को श्रेष्ठ बना सकेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने हिन्दी को व्यावहारिक व तकनीकी भाषा बनाने की जरूरत बताई और कहा कि इससे हिन्दी अपना स्थान बना पायेगी। विशिष्ट अतिथि शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने कहा कि हिन्दी सरल व सहज भाषा है। हिन्दी ही हमारे सोचने की भाषा है। कार्यक्रम में वित्ताधिकारी आर.के. जैन, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, जगदीश यायावर, डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल, डा. योगेश कुमार जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा हिन्दी को प्रमुख राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिये आंदोलन चलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ शोभा ने मंगलाचरण करके किया तथा उन्होंने हिन्दी भाषा पर कविता भी प्रस्तुत की।

नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत कार्यक्रम

संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. समणी संगीत प्रज्ञा ने कहा है कि ज्ञान तभी सार्थक बन सकता है, जब आचार उन्नत होता है। बिना आचार के ज्ञान महत्वहीन हो जाता है। वे यहां अपने विभाग के नवागन्तुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिये 3 अगस्त को किये गये आयोजन को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत वार्तालाप के लिये प्रेरित किया। वरिष्ठ संस्कृत विद्वान प्रो. दामोदर शास्त्री ने इस अवसर पर कहा कि जब व्यक्ति अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेता है तो उसे अपनी पूरी शक्ति को केन्द्रित करके उसमें झोंक देना चाहिये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आये विदेशी विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में सभी नव-प्रविष्ट विद्यार्थियों ने अपना परिचय प्रस्तुत किया। उन्हें भी फैकल्टी से परीचित करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान विविध गेम्स भी खिलाये गये। अंत में मुमुक्षु दर्शिका ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन मुमुक्षु वंदना व करिश्मा ने किया।

सरदार पटेल के कारण ही सुरक्षित है देश की एकता और अखंडता

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में लौह-पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म-जयंती के उपलक्ष में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शोध-निदेशक प्रो. अनिल धर ने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को सुरक्षित रखने में सरदार पटेल की भूमिका के बारे में बताया तथा कहा कि पटेल के कारण ही आज देश संघीय ढांचे में ढला हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने सरदार पटेल के अंग्रजी हुकूमत के खिलाफ किये गये प्रयासों एवं आजादी के लिये संघर्ष के बारे में ब्यौरा प्रस्तुत किया। डा. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने सरदार पटेल के विचारों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. विकास शर्मा ने किया।

नैतिक मूल्यों के समावेश से जीवन में परिवर्तन आता है

तीन दिवसीय आमुखीकरण एवं प्रेक्षाध्यान शिविर

तीन दिवसीय आमुखीकरण एवं प्रेक्षाध्यान शिविर का 28 जुलाई को समारोह पूर्वक समापन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने कहा कि जीवन में मूल्यों का अपना महत्व होता है। उनके बिना जीवन सारहीन बन जाता है। नैतिक मूल्यों का समावेश जीवन को आमूल-चूल रूप से बदल देता है तथा जीवन में सुदृश फूलों की खुशबू भर जाती है।

समारोह के मुख्य वक्ता अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि जीवन में समय की पाबंदी को महत्व अवश्य दें। समय पर किये गये कार्य ही सुफल देने वाले होते हैं। दीर्घसूत्रता से जीवन में बिगाड़ आता है। प्रचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने तीन दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविरार्थी छात्राओं सरिता शर्मा, संध्या वर्मा, शिवानी आचार्य आदि ने अपने अनुभव अन्य छात्राओं के साथ साझा किये। शिविर का अंतिम दिवस व्यक्तित्व विकास एवं आमुखीकरण पर केन्द्रित रहा। सभी शिविरार्थी छात्राओं ने इस अवसर पर वृक्षारोपण करके अपने संकल्प को मजबूत किया। शिविर के अंतिम सत्र में योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने छात्राओं को लाफिंग थैरेपी से परिचित करवाया तथा अभ्यास करवाते हुये उसके लाभ बताये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बलवीर सिंह चारण ने किया।

व्यक्ति की गरिमा व समानता का अधिकार रक्षित होना आवश्यक- प्रो. धर

विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्त्वावधान में मानवाधिकार दिवस पर 10 दिसम्बर को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने व्यक्ति के मौलिक अधिकारों के बारे में बताते हुये राज्य व राष्ट्रीय स्तर के मानवाधिकार आयोगों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा कर रखी है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में कहा गया है कि कुछ ऐसे मानवाधिकार हैं, जो कभी छीने नहीं जा सकते, जिनमें मानव की गरिमा है और स्त्री-पुरुष के समान अधिकार हैं। प्रो. धर ने बताया कि किसी भी इंसान की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार ही मानवाधिकार है। डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी पूरी जिम्मेदारी से निभाने की सलाह दी तथा कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने दायित्वों को समझ ले तो अधिकारों की रक्षा स्वतः ही हो जाती है और कानून का उपयोग ही नहीं करना पड़ता है। कार्यक्रम में हरफूल ठोलिया, राजेश माली, उषा जैन, रजनी प्रजापत, वंदना प्रजापत, आसिफ खान, शीतल प्रजापत, हंसराज कंवर, प्रतिभा कंवर, किरण बानो, सरिता लोहिया, सपना जांगिड़, हीरालाल भाकर, गजानन्द चारण, मेहरून, तमन्ना आदि उपस्थित रहे।

एम.एस.डब्लू. के विद्यार्थियों का कैम्पस रिक्रूटमेंट

संस्थान के समाज कार्य विभाग में 20 जुलाई को कैम्पस रिक्रूटमेंट का आयोजन किया गया। इसके लिये जोधपुर के एनजीओ उन्नत शैक्षणिक विकास संगठन की टीम ने एमएसडब्लू के 12 विद्यार्थियों का परीक्षण किया। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विजेन्द्र प्रधान ने बताया कि संस्था द्वारा कुल 7 विद्यार्थियों का चयन किया जाने के लिये एनजीओ द्वारा समूह चर्चा एवं साक्षात्कार का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि यहां इस विभाग से स्नातकोत्तर करने वाले शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो जाता है।

समाज में नैतिकता व सेवा के विस्तार के लिये हो शिक्षा का उपयोग

दो दिवसीय आमुखीकरण कार्यक्रम

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में दो दिवसीय आमुखीकरण आयोजन 6-7 अगस्त को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग समाज में नैतिकता के विस्तार और सेवा कार्य को प्रसारित करना होता है। इस संबंध में जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के छात्र समाज सुधार व सेवा कार्यों में निरन्तर लगे हुये हैं तथा समाज को नशाबंदी, स्वच्छता, रोगमुक्ति आदि कार्यक्रमों के साथ जन जागृति को ध्येय बनाकर कार्यरत हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये विभागाध्यक्ष डा. विजेन्द्र प्रधान ने समाज कार्य विभाग के दो वर्षीय पाठ्यक्रम का वर्णन प्रस्तुत किया तथा कहा कि अनुशासन और मूल्यों का पालन इस संस्थान की विशेषता है। यहां नैतिक मूल्यों को शिक्षा के साथ जोड़ा गया है, जो आज समाज के लिये सबसे ज्यादा जरूरी बन गये हैं। कार्यक्रम में इन्द्रा राम पूनिया, चांदनी सिंह आदि शोधार्थी, विद्यार्थी एवं व्याख्यातागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंकित शर्मा ने किया।

स्वच्छता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के समाज कार्य विभाग द्वारा 2 अक्टूबर को ग्राम जोरावरपुरा में स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. विजेन्द्र प्रधान, मुख्य अतिथि स्टेशन मास्टर नीतिन गर्ग एवं विशिष्ट अतिथि ऋतु स्वामी (प्रिंसिपल कनक श्याम विद्या मंदिर) उपस्थित रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गर्ग ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. विकास शर्मा द्वारा सक्रिय रूप से सहयोग किया गया। विभाग के सभी छात्र एवं बस्ती के नागरिकों द्वारा सहभागिता दर्ज की गयी।

केरल के आपदा पीड़ितों की सहायता के लिये उतरे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

केरल प्रांत के बाढ पीड़ितों की सहायतार्थ जैन विश्वभारती संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में विद्यार्थियों द्वारा जन समुदाय से आर्थिक सहयोग प्राप्त किया गया। उन्होंने सबसे पहले विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ से बाढ सहायतार्थ चंदा एकत्र किया और 30 अगस्त को शहर में रैली निकाल कर आम जन से चंदा लिया। विश्वविद्यालय से इस रैली से शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विजेन्द्र प्रधान, कार्यक्रम की संयोजक डा. पुष्पा मिश्रा, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन, अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगल किशोर दाधीच, डा. विकास शर्मा, अंकित शर्मा, रंजीत जायसवाल आदि उपस्थित थे।

विश्व साक्षरता दिवस का आयोजन

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में 8 सितम्बर को निकटवर्ती ग्राम दुजार में एक कार्यक्रम का आयोजन करके साक्षरता के प्रति जागरूकता पैदा की गई। विभागाध्यक्ष विजेन्द्र प्रधान व अंकित शर्मा के निर्देशन में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय दुजार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार ने की। मुख्य अतिथि डा. पुष्पा मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि पढाई के अभाव में किसान एवं ग्रामीणों को बहुत प्रकार के संकटों का सामना करना पड़ता रहा है। साक्षर होने के बाद उनसे आसानी से बचा जा सकता है। प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुये कहा कि अगर बाल्यावस्था में ही विद्यालय भेजना शुरू कर दिया जावे, तो कोई भी अनपढ नहीं रह सकता है। कार्यक्रम में आयुष जैन ने साक्षरता दर के बारे में बताया तथा कहा कि हमें देश के विकास की धारा के साथ रहने के लिये शिक्षा का प्रसार करना होगा। विद्यालय की छात्रा शांति स्वामी व पूजा स्वामी ने गांव-गांव में लोगों में साक्षरता के प्रति जागरूकता लाने की बात कही और कहा कि साक्षरता बढाने के लिये हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। प्रारम्भ में जितेन्द्र उपाध्याय ने साक्षरता दिवस के महत्व को बताया तथा स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। अंत में दिया सिंह ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. विकास शर्मा ने किया।

समाज कार्य के अध्ययन से सकारात्मकता पनपती है- डॉ. प्रधान

गुजरात के भुज क्षेत्र से आये विद्यार्थियों ने किया जैविभा विश्वविद्यालय का अवलोकन

गुजरात के भुज स्थित बाबा नाहर सिंह महाविद्यालय के समाजकार्य विभाग के 70 विद्यार्थी अपने प्राचार्य डा. गोविन्द एवं सहायक आचार्य डा. हरीश के नेतृत्व में यहां जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) में शैक्षणिक भ्रमण के लिये आये। उन्होंने संस्थान के विभिन्न विभागों, कॉलेज, पुस्तकालय, परिसर आदि का अवलोकन किया तथा उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। यहां समाज कार्य विभाग के तत्वावधान में 18 सितम्बर को एक कार्यक्रम का आयोजन कर सबका स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय व समाज कार्य विभाग के कार्यक्रमों, गतिविधियों, पाठ्यक्रमों आदि की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डा. बिजेन्द्र प्रधान ने कहा कि समाज कार्य विषय ऐसा क्षेत्र है, जिसमें विद्यार्थी उच्च शिक्षा पाने के साथ-साथ देश की सेवा का अवसर भी प्राप्त करता है। उन्होंने बताया कि जैन विश्वभारती संस्थान से सोशल वर्क में स्नातकोत्तर करने वाले विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हो जाता है तथा वे केन्द्र, राज्य सरकारों तथा विभिन्न औद्योगिक, कार्पोरेट एवं एनजीओ से जुड़ कर अपना भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने दो संस्थानों के विद्यार्थियों के बीच परस्पर ज्ञान के आदान-प्रदान की परम्परा को श्रेष्ठ बताया। डॉ. पुष्पा मिश्रा ने विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु एवं उसके विविध आयामों के बारे में विस्तार से बताया। बाबा नाहर सिंह कॉलेज, भुज के डॉ. गोविन्द व डा. हरीश ने अपने कॉलेज में समाज कार्य विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली अनेक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी इस कार्यक्रम में अपने-अपने अनुभव भी साझा किये। कार्यक्रम के अंत में सहायक आचार्य अंकित शर्मा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. विकास शर्मा ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया

संस्थान के समाज कार्य विभाग द्वारा 1 अक्टूबर को ग्राम दूजार में अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम दूजार आश्रम के पुजारी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज थे। विशिष्ट अतिथि देवमित्र आर्य थे। मुख्य अतिथि स्वामी ज्ञानानन्द ने अपने वक्तव्य में समाज में बड़ों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को अफसोस जनक बताया तथा बच्चों में संस्कार डालने पर जोर दिया। कार्यक्रम की समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्य पर्यवेक्षक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने बड़ों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का कारण वर्तमान समय में बदलते आर्थिक परिप्रेक्ष्य को बताया तथा उन्होंने कहा कि बड़ों का सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों का अधिकार भी है कि वो गरिमामय जीवन जीएं। डॉ. विकास शर्मा ने भी अपने विचार रखे। समाज कार्य विभाग के सभी छात्रों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं सहायक आचार्य अंकित शर्मा के महत्त्वपूर्ण सुझाव मिले।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं का आयोजन

संस्थान के समाज कार्य विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत तहसील के ग्राम दुजार में "भ्रष्टाचार मिटाओ, नया भारत बनाओ" विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 1 नवम्बर को किया गया। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. बिजेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन में दुजार स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अंकित शर्मा के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुये कार्यक्रम में प्रधानाचार्य भंवरलाल स्वामी ने कहा कि भ्रष्टाचार वर्तमान में इस देश में बहुत गहराई से पैठ गया है, जिसे समूल उखाड़ फेंकने के लिये हर नागरिक और बच्चे-बच्चे को जागृत होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का अपने क्षेत्र में ही कार्यरत पटवारी, ग्रामसेवक, नर्स, ए.एन.एम., राशन वितरक आदि से प्रतिदिन काम पड़ता है और उन्हें भ्रष्टाचार से पग-पग पर रूबरू होना पड़ता है। समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य अंकित शर्मा ने कहा कि हम सब मिलकर ही भ्रष्टाचार मिटा सकते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आयोजित

संस्थान के शिक्षा विभाग में 1 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने पर्व मनाये जाने की अहमियत बताते हुये कार्यक्रम में कहा कि समय-समय पर मनाये जाने वाले पर्व हमें खुशी, उत्साह व उमंग प्रदान करते हैं। इनसे हम तनाव, घुटन व संघर्ष से मुक्त होते हैं तथा मन को बहुत शांति मिलती है, खुशी मिलती है और प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम संयोजक डा. सरोज राय ने कृष्ण को सामाजिक नेता व जननायक बताते हुये कहा कि केवल मानव मात्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि के लिये उन्होंने उपकारी कार्य किये थे। उन्होंने कृष्ण को नियति के प्रति प्रतिबद्ध, समय के लिये प्रतिबद्ध, संगठन शक्ति कारक एवं कर्मयोगी बताया। डा. गिरधारीलाल शर्मा, नीतू जोशी, पूजा, मुग्धा आदि ने कृष्ण के जीवन पर भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका मोनिका ने किया।

दीपावली पर कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में दीपावली उत्सव पर 2 नवम्बर को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुये डा. मनीष भटनागर ने सहिष्णुता एवं ईमानदारी जैसे गुणों को भगवान राम से ग्रहण करने की आवश्यकता बताई। डा. गिरीराज भोजक ने दीवाली पर की जाने वाली लक्ष्मी पूजा और साधना में विधि लक्ष्मियों के बारे में बताया तथा कहा कि उलूक पर सवार लक्ष्मी से प्राप्त धन शुद्ध नहीं होता, लेकिन गजलक्ष्मी पूजन से प्राप्त धन पूरी तरह से सात्त्विक होता है। डा. सरोज राय ने गणेश, लक्ष्मी व सरस्वती इन तीन देवी-देवताओं की पूजा का रहस्य बताया। डा. भावाग्रही प्रधान व डा. विष्णु कुमार ने दीपावली के व्यावहारिक पक्ष और सैद्धांतिक पक्ष को व्याख्यायित किया। कार्यक्रम में नीतू जोशी, मनीषा शर्मा व बादू ने भी अपने विचार एवं गीत प्रस्तु किये। कार्यक्रम का संचालन एकता जोशी ने किया।

गणेश चतुर्थी व हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग में गणेश चतुर्थी पर्व के साथ 13 सितम्बर को हिन्दी दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने गणेश चतुर्थी को उत्साहवर्द्धक त्यौहार बताया तथा कहा कि इस अवसर पर होने वाले महोत्सव इस देश की पहचान के रूप में देखे जाते हैं। उन्होंने बताया कि लिपि के आविष्कारक के रूप में गणेश को माना गया है, इसलिये हिन्दी दिवस पर उन्हें मनाने की प्रासंगिकता भी है। प्रभारी डा. गिरीराज भोजक ने कहा कि गणेश की प्रतिमा में जो उनका विलक्षण स्वरूप दिखाई देता है, वह शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिये प्रेरणादायी व शिक्षाप्रद है। संयोजक डा. सरोज राय ने कहा कि हमें अपनी राष्ट्रभाषा को अपनाना चाहिये तथा उसका प्रयोग करके गर्व का अनुभव होना चाहिये। कार्यक्रम में छात्राध्यापिका प्रियंका सिखवाल व सरोज ने भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डा. मनीष भटनागर, डा. भावाग्रही प्रधान, डा. विष्णु कुमार, डा. अमिता जैन, डा. गिरधारी लाल शर्मा, डा. आभासिंह, मुकुल सारस्वत, देवीलाल कुमावत आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मोनिका सैनी ने किया।

सबका साथ सबका विकास भावना से कार्य करना आवश्यक- प्रो. जैन

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम का आयोजन 3 अक्टूबर को किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कार्यक्रम में कहा कि सबका साथ सबका विकास की भावना से कार्य करने पर ही देश को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। हम सभी देशवासियों को देश की एकता कायम रखने और उसे महान राष्ट्र के रूप में प्रतिस्थापित करने की दिशा में सदैव सजग रह कर कर्मशील रहना चाहिये। डा. विष्णु कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चल कर हम अपने देश को श्रेष्ठ भारत के रूप में स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम में डा. मनीष भटनागर, डा. भावाग्रही प्रधान, डा. अमिता जैन, डा. सरोज राय, डा. गिरीराज भोजक, डा. आभा सिंह, डा. गिरधारी लाल शर्मा, मुकुल सारस्वत, देवीलाल, दिव्या राठौड़ आदि एवं सभी छात्राध्यापिकायें उपस्थित थीं।

आगे बढने के लिये सकारात्मकता आवश्यक

प्रतिभा खोज व शिक्षक दिवस समारोह आयोजित

संस्थान के शिक्षा विभाग में 5 सितम्बर को प्रतिभा खोज एवं शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा कि छात्राध्यापिकाओं को वर्तमान के नकारात्मकता भरे माहौल में रह कर भी अपनी सकारात्मकता को बनाये रखने की चुनौती है। आगे बढने के लिये हमेशा सकारात्मकता ही काम आती है। उन्होंने तीन सूत्र दिये- टीम वर्क, जीवन का नजरिया और नेटवर्किंग।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम का शुभारम्भ आकांक्षा द्वारा नृत्य के साथ गणेश-स्तुति से किया गया। प्रारम्भ में अतिथियों एवं शिक्षकों ने सरस्वती के चित्र को माल्यार्पण किया गया। इस समारोह में पूनम ने घूमर नृत्य, रितिका, प्रियंका राठौड़, दुर्गा राठौड़ आदि ने राजस्थानी लोक गीतों एवं अन्य गीतों पर मोहक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। प्रियंका एवं समूह आदि ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया।पूजा कुमारी व सरोज ने गीत व कवितायें प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षकों पर आधारित फिल्मी गीतों को जोड़ कर बनाई गई पी.पी.टी. का प्रदर्शन करके सबका मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने कहा कि शिक्षक अपने ज्ञान, कौशल और अनुभव को विद्यार्थी को देता है, लेकिन इसके साथ ही यह ध्यान भी रखता है कि वह विद्यार्थियों की कमजोरियों को दूर करे और उन्हें अपनी क्षमताओं को उभार कर बाहर निकालने में सहायता करे।

सेना की बदौलत ही सुरक्षित हैं हम और देश की सीमायें- प्रो. जैन

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस मनाया

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सर्जिकल स्ट्राइक दिवस पर 1 अक्टूबर को कार्यक्रम का आयोजन । जवानों की कीर्ति का स्मरण किया गया तथा छात्राओं को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा प्रदान की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कार्यक्रम में बताया कि भारतीय सेना ने आतंकवादियों के सीमा-पार स्थित ठिकानों को नष्ट करने के लिये सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि सर्जिकल स्ट्राइक को गोपनीय तरीके से केवल चुनिन्दा लोगों तक सीमित जानकारी के साथ किये गये आकस्मिक हमले के रूप में क्रियान्वित किया जाता है, जिसमें आंतकियों के छिपे ठिकानों को लक्ष्य बनाया जाता है। इसमें किसी भी नागारिक या अन्य किन्हीं लोगों को कोई नुकसान

नहीं पहुंचाया जाता है। प्रो. जैन ने बताया कि हम सभी नागरिगण एवं देश की सीमायें सैनिकों की देशभक्ति के कारण ही सुरक्षित हैं। हमें भी उनके शहीद हो जाने की स्थिति में उनके परिवार जनों की सहायता व सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिये। कार्यक्रम में सभी छात्राध्यापिकायें उपस्थित रहे।

पंथ-मजहब की सीमाओं को लांघ चुका है रक्षाबंधन- प्रो. त्रिपाठी

रक्षाबंधन पर छात्राओं ने लिया संकल्प कि वे अपने सास-श्वसुर को कभी वृद्धाश्रम नहीं जाने देंगी

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में रक्षाबंधन पर्व 25 अगस्त को समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि राखी का त्यौहार जहां भाई व बहिन के पवित्र रिश्ते का स्मरण करवाता है, वहीं यह पर्व देश के साहित्य एवं संस्कृति की रक्षा का संदेश भी देता है। उन्होंने रक्षाबंधन को पंथ और मजहब के दायरे से हटकर त्यौहार बताते हुये कहा कि इतिहास में हुमायूं व रानी कर्मावती इसकी मिशाल है।

कार्यक्रम में अभिषेक चारण ने एक कविता के माध्यम से भाई-बहिनों के संवेदनात्मक सम्बंधों को प्रकट किया। छात्रा भगवती निठारवाल ने इस अवसर पर सभी छात्राओं को संकल्प दिलवाया कि वे इस पर्व पर शपथ ग्रहण करें कि वे अपने सास-श्वसुर को कभी भी वृद्धाश्रम नहीं जाने देंगी तथा उनकी सेवा में वे कोई कसर नहीं रहने देंगी। छात्रा मेहनाज बानो ने बताया कि इस त्यौहार को हिन्दू-मुस्लिम सभी मनाते हैं। जब भी रक्षाबंधन आता है तो उसकी मां भी अपने दिवंगत भाई का स्मरण करके आंखों में पानी भर लेती है। छात्रा हेमलता ने औपचारितायें निभाने के बजाय पर्व को दिल की गहराईयों से उसके मर्म को समझते हुये मनाये जाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन छात्रा सरिता शर्मा ने किया।

''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का शुभारम्भ

स्वच्छता को जन आंदोलन बनाया जाना जरूरी

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाईयों के अन्तर्गत 15 सितम्बर को यहां स्वच्छता ही सेवा-2018 अभियान का शुभारम्भ किया गया। शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने स्वच्छता के महत्त्व को बताते हुये कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की चौथी वर्षगांठ एवं महात्मा गांधी के 150वें जयंती महोत्सव के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान आगामी 2 अक्टूबर तक एन.एस.एस. के तत्त्वावधान में चलाया जावेगा। इस अभियान का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के विजन को जन-आंदोलन के रूप में विकसित करने का है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत जनमानस में सफाई के प्रति नजरिये व व्यवहार को बदलने के लिये घर-घर तक पहुंच कर प्रेरित किया जावेगा। स्वच्छता को लेकर जन-जागरण के लिये नुक्कड़ नाटक, स्ट्रीट प्ले, लोकगीतों एवं लोकनृत्यों आदि का आयोजन करना, हर घर से कचरा संग्रहण, गलियां, नालियां एवं अन्य स्वच्छता की मोनिटरिंग करने के साथ गांवों एवं विद्यालयों द्वारा रैली निकाली गयी। सफाई के प्रति जागरूकता पैदा करने, सार्वजनिक स्थानों पर दीवार-लेखन करने आदि अनेक कार्यक्रम एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न करवाये जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डा. प्रगति भटनागर ने किया।

बाल दिवस पर किया नेहरू को याद

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस 14 नवम्बर को बालदिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुये इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगलकिशोर दाधीच ने बताया कि पं. नेहरू हमेशा भविष्य की ओर देखते थे। इसी कारण उन्हें नई पीढी से बेहद लगाव था। वे चाहते थे कि शिक्षा का प्रसार हो और उच्च शिक्षा के लिये अधिक संख्या में छात्र आगे आयें। व्याख्याता अभिषेक चारण ने नेहरू के राजस्थान दौरे व यहां विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा की ललक से ली गई प्रेरणा के बारे में बताया। कार्यक्रम में छात्रा रश्मि बोकड़िया व करिश्मा खान ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सावन के पहले दिन छात्राओं ने किया वृक्षारोपण

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के तत्त्वावधान में 28 जुलाई को सावन मास के प्रथम दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बिल्व, नीम्बू, अनार, गुलाब आदि विभिन्न पौधों को लगाया गया। पौधों की व्यवस्था छात्राध्यापिकाओं ने स्वयं के स्तर पर की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि पेड़ लगाने का एक स्वतः स्फूर्त आंदोलन होना चाहिये। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन, अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगल किशोर दाधीच, दूरस्थ शिक्षा की उपनिदेशक नुपूर जैन, डा. प्रगति भटनागर, कमल मोदी, मधुकर दाधीच, सोनिका जैन, अभिषेक चारण, सोमवीर, बलवीर, रत्ना चौधरी आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

गुरु शिष्य का निर्माणकर्त्ता

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 27 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि महर्षि वेदव्यास के जन्मजयन्ती के उपलक्ष्य में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाता है। वैसे पुराणों में भगवान शिव को आदि गुरु माना गया है। उन्होंने शनि और परशुराम को शिष्य के रूप में शिक्षा दी थी, इसलिये उन्हें आदि गुरु माना गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य की बहुत ही उज्ज्वल परम्परा रही है। शंकराचार्य को भी उनके गुरु गौड़पाद ने बनाया था। रामबोला को तुलसीदास गुरु नरहरिदास ने बनाया था तथा शिवाजी प्रसिद्ध हुए अपने गुरु रामदास की शिक्षा के कारण। विवेकानन्द को भी उनके गुरु रामकृष्ण ने बनाया था। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निर्मल भावों से गुरु का आदर और सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर अभिषेक चारण द्वारा आदिकाल से आधुनिक काल तक गुरु के महत्त्व को व्याख्यायित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोमवीर सागवान द्वारा किया गया।

हिन्दी साहित्यकारों के नामों पर अंताक्षरी

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में 13 सितम्बर को छात्राओं ने हिन्दी साहित्यकारों के नामों पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में 30-30 छात्राओं के समूह बनाकर उनमें प्रतिद्वंद्विता करवाई गई। प्रतियोगिता में निरमा प्रजापत एवं समूह विजेता रहा। द्वितीय स्थान पर प्रीति भूतोड़िया एवं समूह रहा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हिन्दी को उत्तर से दक्षिण तक मान्य भाषा बनाने की आवश्यकता बताते हुये कहा कि इसके लिये व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिये। सोमवीर सांगवान ने हिन्दी को व्यावसायिक एवं शैक्षणिक स्तर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपनाये जाने की आवश्यकता बताई। अभिषेक चारण ने बताया कि हिन्दी हमेशा समृद्ध भाषा रही है और इसमें अकूत साहित्य की रचना हुई है। प्रसिद्ध अंग्रेज विद्वानों ने यहां की प्रसिद्ध हिन्दी पुस्तकों के माध्यम से हिन्दी को सीखा था। कार्यक्रम में कुसुम नाई, महिमा प्रजापत, रश्मि बोकड़िया, भगवती निठारवाल, सरिता शर्मा व सुरैया बानो ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन कंचन स्वामी ने किया।

पुल बनाने का काम करें- राजेश चैतन्य

विख्यात कवि राजेश चैतन्य का विश्वविद्यालय में स्वागत

विख्यात राष्ट्रीय एवं हास्य कवि राजेश चैतन्य का यहां जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की ओर से महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में 20 अगस्त को भावभीना स्वागत किया गया। वे यहां मुनिश्री जयकुमार के दर्शनार्थ लाडनूं आये थे। इस अवसर पर राजेश चैतन्य ने विभिन्न हास्य आधारित एवं प्रेरणास्पद कविताओं एवं चुटकलों से भरपूर तालियां बटोरी। उन्होंने कहा कि हंसने का अधिकार समस्त प्राणियों में केवल मनुष्य को ही भगवान ने दिया है, इसलिये सभी मनहूसियत छोड़ कर हंसी-खुशी से जिन्दगी गुजारें। उन्होंने इंसान-इंसान के बीच दीवारें बनानी छोड़ देने और पुल बनाने का काम करने की सलाह दी तथा कहा कि सारा खेल केवल शब्दों का है। शब्द-सम्पदा के प्रयोग से खुशियां बांटी जा सकती है और दुःख भी उत्पन्न किया जा सकता है।

आनन्द है जीवन का आधार

कार्यक्रम को सान्निध्य प्रदान करते हुये मुनिश्री जयकुमार ने स्वरचित कवितायें सुनाई, जिन्हें सभी ने जमकर सराहा। मुनिश्री ने कहा कि आनन्द जीवन का आधार है। जीवन में हंसना-हंसाना और आनन्दित रहना आवश्यक है। उन्होंने शब्दों से आनन्द की उत्पति के बारे में बताया। प्रारम्भ में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कवि राजेश चैतन्य का स्वागत किया तथा उनकी काव्य-रचनाओं को उद्धृत करते हुये उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. दूगड़ ने उन्हें मोस्ट डायनेमिक पोइट की उपाधि देते हुये कहा कि वे केवल बेहतरीन मंच संचालक, कवि व मोटीवेशनल गुरू ही नहीं, बल्कि विभिन्न संस्थाओं के संचालक भी हैं और समाज सेवा से निरन्तर जुड़े हुये रहते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में शांतिलाल बरमेचा व इन्द्रचंद बैंगाणी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

संस्थान में स्वतंत्रता दिवस पर्व 15 अगस्त को समारोहपूर्वक मनाया गया। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने झंडारोहण किया। संस्थान की एन.सी.सी. की कंडेट्स ने मार्च-पास्ट किया और ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम में कुलसचिव कक्कड़ ने आजादी की लड़ाई का स्मरण किया और वीरों के बलिदान का उल्लेख किया। प्रो. त्रिपाठी ने अध्यक्षीय सम्बोधन में देश की आजादी, स्वाभिमान और अतीत के गौरव की रक्षा करने आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके देशभक्ति का जज्बा जगाया। इस अवसर पर प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. बी.एल. जैन, आर.के. जैन, डा. योगेश कुमार जैन, डा. बिजेन्द्र प्रधान, डा. जुगलकिशोर दाधीच, डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, दीपाराम खोजा आदि उपस्थित थे।

अज्ञान मिटा कर ज्ञान का दीप जलाने वाला ही गुरू- मुनि जयकुमार

गुरू पूर्णिमा कार्यक्रम

मुनिश्री जयकुमार ने कहा है कि जो भीतर की गुरूता को, अन्तर की चेतना को और विवेक को जागृत करे वही गुरू होता है। वे यहां संस्थान के महाप्रज्ञ सभागार में नियमित ध्यान व प्रार्थना के पश्चात 27 जुलाई को गुरू पूर्णिमा पर्व पर समस्त स्टाफ को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरू की पहचान यह है कि वह अज्ञान को खत्म करता है, भीतर में ज्ञान के दीप को प्रज्ज्वलित करता है। गुरू अच्छे मार्ग को प्रशस्त करता है और करणीय व अकरणीय कर्म के विवेक को जागृत करता है। इससे पूर्व मुनिश्री ने सबको गहरे ध्यान के प्रयोग करवाये। इस

अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़, उप कुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, दीपाराम खोजा, डा. बी. प्रधान, विजयकुमार शर्मा, प्रो. रेखा तिवाड़ी, डा. विकास शर्मा, डा. अशोक भास्कर आदि उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग में मनाई गुरू पूर्णिमा

इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में भी गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने इस अवसर पर कहा कि गुरू के विचारों को आत्मसात करें, वे हमारे संकटों में पाथेय प्रदान करेंगे। डा. आभासिंह, छात्राध्यापिका कंचन कंवर, सरिता फिरौदा, पल्लवी, अंजलि, पूजा गौड़ आदि ने भी अपने विचार कविता, भाषण व कहानी के रूप में व्यक्त किये।

महावीर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

महाविनाश से बचने के लिये महावीर के सिद्धान्तों को अपनाना होगा- प्रो. दूगड़

संस्थान के जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के तत्त्वावधान में महावीर जयंती के अवसर पर 16 अप्रेल को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने महावीर और महाविनाश को विश्व के सामने दो विकल्प बताये और कहा कि अगर महाविनाश से बचना है तो महावीर के सिद्धांतों को अपनाना होगा। उन्होंने विश्व में मानव जीवन पर संकट के रूप में परमाणु शस्त्र, पर्यावरण संकट एवं वैचारिक आग्रह को सबसे बड़े कारण के रूप में माना और कहा कि इन चुनौतियों और संकटों से बचने के लिये महावीर के तीन सूत्रों को अपनाना होगा। संयम, अपरिग्रह और अनेकांत को स्वीकार करने पर समस्याओं से छुटकारा मिलना संभव है। संयम का पालन करने पर तीनों से संकटों से मुक्ति मिल सकती है। महाविनाश से बचने का तरीका संयम ही है। इससे पर्यावरण को संकट से बचाया जा सकता है। उपभोग का संयम प्रकृति की रक्षा करता है। उन्होंने अपरिग्रह को महावीर का सबसे बड़ा सिद्धांत बताया तथा कहा कि परिग्रह को जितना हो सके सीमित करना चाहिये। उन्होंने आत्मनिर्भरता के बजाये परस्पर-निर्भरता को अपनाने से झगड़े समाप्त होना संभव बताते हुये कहा कि आत्मनिर्भरता से अहंभाव बढ़ता है। प्रो. दूगड़ ने अनेकांत को वैचारिक अनाग्रह बताते हुये कहा कि हमें वैचारिक संकीर्णता से निकलना होगा। कोई व्यक्ति क्या कहता है, से अधिक कैसे कहता है और उससे भी अधिक किस भाव से कहता है, महत्त्वपूर्ण होता है, क्या कहता है गौण है। सबसे ज्यादा ध्यान भाव पर देना चाहिये। उन्होंने कहा कि महावीर जयंती को मनायें, लेकिन उनके सिद्धांतों को भी अपनायें, तभी जन्म जयंती का आयोजन सफल होगा और सृष्टि को बचाने के उत्तरदायित्व को भी सभी निभा पायेंगे।

अहिंसा को पुस्तकों तक सीमित नहीं रखें

पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जगतराम भट्टाचार्य ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुये कहा कि महावीर की बातायें, उनकी शिक्षायें सभी त्रैकालिक हैं। वे सभी काल के लिये समान रूप से आवश्यक हैं। महावीर के दर्शन में अहिंसा के तत्त्व को सबसे बड़ा तत्त्व बताते हुये उन्होंने कहा कि अहिंसा को पुस्तकों तक सीमित नहीं रखना चाहिये, क्योंकि महावीर ने अहिंसा का प्रतिपादन पराकाष्ठा तक किया था। महावीर के शास्त्र के कुछ ही तत्त्वों को जीवन में अपने आचरण में उतार लेने से जीवन सफल हो सकता है।

अनेकांत से आता है जीवन में बदलाव

दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने महावीर के दर्शन से अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत के तीन सूत्रों को आचरण में उतारने की जरूरत बताई और कहा कि महावीर के दर्शन के अलावा अनेकांत का विचार अन्य कहीं नहीं मिलता। जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने महावीर के जीवन की दो बातों को महत्त्वपूर्ण बताते हुये कहा कि अप्रमत्तता व सहिष्णुता उनके जीवन की विशेषता थी। वे सतत आत्मा की स्मृति में रहते थे। उन्होंने महावीर के समता धर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया तथा कहा कि किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होना चाहिये। सभी स्थितियों में समभाव रखना चाहिये। यही शांति का सबसे बड़ा सूत्र है। कार्यक्रम में प्रशांत जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुमुक्षु बहिनों के मंगलाचरण द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. योगेश कुमार जैन ने किया।

तीन दिवसीय अहिंसा, शांति व मानवाधिकार प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मानवाधिकारों की रक्षा के लिये शांति व सद्भावना जरूरी- प्रो. यादव

हरियाणा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ के प्रोफेसर संजीव कुमार यादव ने कहा शांति के बिना सद्भावना नहीं हो सकती और सद्भावना के बिना मानवाधिकारों की रक्षा नहीं हो सकती है। हमारे समाज और हमारे राष्ट्र को हमसे जो अपेक्षायें हैं, उनके अनुसार हमें एक अच्छा मानव, एक अच्छा शिक्षक और एक अच्छा विद्यार्थी बनने के लिये आवश्यक है कि इसके लिये उचित प्रशिक्षण भी हो। अहिंसा एवं शांति तथा मानवाधिकारों सम्बंधी प्रशिक्षण इसी प्रयास का हिस्सा है। वे यहां जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्त्वावधान में 2 से 4 फरवरी को आयोजित अहिंसा, शांति व मानवाधिकार प्रशिक्षण के तीन दिवसीय युवा शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

हिंसा के माहौल में अहिंसा का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा विश्व भर में चारों तरफ फैले हिंसा के माहौल में अहिंसा की बात करना और अहिंसा का प्रशिक्षण देना बहुत ही महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय के द्वितीय अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने अहिंसा प्रशिक्षण की तकनीक दी। उनका मानना था कि जब हिंसा का प्रशिक्षण हो रहा है तो अहिंसा का प्रशिक्षण भी होना चाहिये।

वैश्विक परिवार की जगह वैश्विक बाजार बन गया है

शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने कहा कि हमारी प्राचीन विचारधारा व संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है। हम विश्व को एक सार्वभौम-परिवार के रूप में मानते रहे हैं, जबकि अब इसे सार्वभौम-बाजार माना जाने लगा है। हमें हमेशा भारतीय परम्पराओं को साथ लेकर चलना है। अहिंसा व शांति सहित समस्त जीवन मूल्यों को समझने की जरूरत है। कार्यक्रम में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगलकिशोर दाधीच ने प्रारम्भ में तीन दिवसीय शिविर की रूपरेखा

नृत्य एवं गीतों के साथ होली पर फुहार कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग के अन्तर्गत होली पर्व के अवसर पर कार्यक्रम फुहार का आयोजन 17 मार्च को स्नेह मिलन के रूप में किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने कहा कि होली हमारे जीवन में उमंग, उत्साह एवं नवीन ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। होली का त्यौहार हमारे जीवन में रंगों की विविधता एवं सम्मिश्रण व परस्पर समायोजन की प्रेरणा देता है। संयोजक डा. गिरधारीलाल शर्मा ने कहा कि हमें त्यौहार को सुरक्षित व गरिमामय ढंग से मनाना चाहिये। कार्यक्रम में बीएड तथा बीए-बीएड व बीएससी-बीएड में अध्ययनरत छात्राध्यापिकाओं के गठित विभिन्न सदनों ने सामूहिक गायन व सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इनमें गांधी सदन ने " होलिया में उड़े रे गुलाल...." की प्रस्तुति दी। आचार्य महाप्रज्ञ सदन ने " रंग बरसे भीगे चुनर वाली....", आचार्य महाश्रमण सदन ने "पीली लुगड़ी रा झाला....", जे. कृष्णमूर्ति सदन ने पंजाबी गीत "रंग दा कमाल...." शारदा सदन ने " काल्यो कूद पड्यो मेला में...." आदि गीतों के साथ रंगारंग नृत्यों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में संकाय सदस्य डा. गिरीराज भोजक ने राजस्थानी चंग गीत एवं डा. गिरधारी लाल शर्मा ने रंग बरसे गीत की प्रस्तुति दी।

विवेकानंद जयंती मनाई

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 12 फरवरी को स्वामी विवेकानन्द जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी. एल. जैन ने कहा कि विवेकानन्द में विवेक व आनन्द का समावेश है। विवेक, बुद्धि हमारी जितनी अच्छी होगी, हमारा चिन्तन उतना ही सुदृढ़ होगा। युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्य की ओर निरन्तर अग्रसर होना चाहिए। छात्राध्यापिकाओं में वादु विश्नोई, प्रिया माली, ज्योत्सना विश्नोई, प्रियंका चौधरी, पूजा कुमारी आदि ने विवेकानन्द के विविध प्रसंगों और कविता पाठ के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता जैन ने किया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ गिरधारीलाल शर्मा, डॉ आभा सिंह, सुश्री मुकुल सारस्वत, देवीलाल आदि उपस्थित रहे।

छात्राध्यापिकाओं का शुभ-भावना समारोह आयोजित

विषम परिस्थितियों में मुकाबले के लिये तराशे जाते हैं विद्यार्थी – मेहता

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 16 अप्रेल को शुभ-भावना समारोह का आयोजन किया जाकर एमएड, बीएड की अंतिम वर्ष की छात्राओं को भावभीनी व आकर्षक ढंग से विदाई दी गई। यहां महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलसचिव रमेश कुमार मेहता ने कहा कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों को जीवन की विषम स्थितियों से मुकाबले के लिये तराश कर उनके जीवन को बेहतरीन बनाते हैं। यहां छात्राओं में अनुशासन, सहनशीलता, रूचि का विस्तार एवं विभिन्न कलाओं में निपुण बनाने आदि गुणों का विकास करके उन्हें समाज व राष्ट्र के लिये बहुमूल्य बनाया जाता है।

मुख्य अतिथि जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि जीवन में भावनाओं का महत्त्व होता है। जैसी हमारी भावना होती है, हमारे जीवन का विकास भी वैसा ही होता है। विद्यार्थी बीज की तरह होते हैं, जिनमें विकास की असीम संभावनायें होती हैं। उन्होंने कहा कि विदाई का अर्थ फल के पकने की तरह से होना चाहिये। विद्यार्थी शिक्षित होकर परिपक्व होकर जाता है तो उसमें पके फल की तरह से वाणी व व्यवहार की मिठास, विनम्रता और गुणों के रंग व सुगंध होनी चाहिये। विद्यार्थी में आने वाले परिवर्तन में उसके स्वभाव में अनुशासन, शांति, शालीनता आनी चाहिये, तभी वह जीवन में आगे बढ़ सकता है और अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।

शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने कहा कि गुरु का यह प्रयास रहता है कि छात्राओं में ऐसी कोई गलती नहीं रहने पाये, जिससे उन्हें जीवन में कोई परेशानी उठानी पड़े। जीवन में हमेशा मेहनत व निष्ठा जरूरी होती है और यही छात्राओं के आगे बढ़ने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में प्रियंका राठौड़, हेमा, मोनिका सैनी, पूजा कुमारी, प्रियंका बिड़ियासर एवं समूह, कविता शर्मा, कविता जोशी, मोना राठौड़, रितिका दाधीच आदि ने विभिन्न राजस्थानी, हिन्दी व पंजाबी गीतों पर नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रियंका टाक, आयुषी सैनी, हेमा आदि ने अपने विश्वविद्यालय के छात्र-जीवन के अनुभव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में डा. सरोज राय ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति व सुमन सोमड़वाल ने किया।

अखिल भारतीय अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता

सरकारों की मजबूती का आधार बिन्दु होता है समाज – प्रो. दूगड़

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में संचालित विवेकानन्द क्लब के तत्त्वावधान में दिल्ली निवासी एवं अमेरिका प्रवासी सुरेन्द्र कुमार जैन के आर्थिक सौजन्य से अखिल भारतीय अन्तर्महाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 12 जनवरी को किया गया। प्रतियोगिता का विषय ''सदन की राय में चुनावी राजनीति में राजनैतिक दलों के बागी प्रत्याशियों की चुनौती स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक है'' रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ द्वारा की गई, जिन्होंने भारतीय राजनीति की मौलिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारों की मजबूती का आधार बिन्दु समाज होता है, साथ ही बतलाया कि सफलता एवं असफलता से ही दुनिया में पहचान होती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एस.बी.एल. त्रिपाठी (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, डेगाना) ने विज्ञान, अध्यात्म, संस्कृति एवं धर्म ग्रन्थों के महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए बहुआयामी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया तथा जैन विश्वभारती संस्थान की गौरवमयी संस्कृति एवं क्षमता की प्रशंसा की।

भीलवाड़ा की नेहा प्रथम व लाडनूं की मेहनाज द्वितीय रही

इस प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर विषय पर पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एस.एस.एम. राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा की छात्रा नेहा शर्मा, द्वितीय स्थान पर आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, लाडनूं की छात्र मेहनाज बानो तथा तृतीय स्थान श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया बालिका महाविद्यालय, जसवंतगढ़ की छात्रा पूजा फूलवारिया रही। जिन्हें क्रमशः 7100/-, 6100/- तथा 5100/- नगद, प्रतीक चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। दो सांत्वना पुरस्कार- राजकीय महाविद्यालय, अजमेर के छात्र सांवरमल चौधरी तथा एम.बी.एम. इंजिनियरिंग कॉलेज, जोधपुर के छात्र राघव शर्मा ने प्राप्त किया। जिन्हें क्रमशः एक-एक हजार रुपये नगद, प्रतीक चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने स्वागत वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में बी.जी. शर्मा, रामकुमार तिवाड़ी एवं कालीप्रसाद शर्मा रहे। डॉ. प्रगति भटनागर ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. बलबीर सिंह चारण ने किया।

शहीद दिवस पर किया महात्मा गांधी को याद

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में महात्मा गांधी के बलिदान दिवस को 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन आदि के बारे में भी बताया तथा कहा कि उनके आंदोलनों और जनता से उनके जुड़ाव के कारण ही अंग्रेज देश को छोड़ कर जाने को मजबूर हुये थे। प्रो. त्रिपाठी ने अनेक उदाहरण देते हुये कहा कि महात्मा गांधी के सम्पूर्ण जीवन पर दृष्टि डालें तो हमें प्रत्येक व्यक्ति को सफलता दिलाने वाले अनेक गुण व सूत्र नजर आयेंगे। अगर गांधी के इन विचारों को अपने जीवन में उतार लिया जाए तो हम जीवन की अनेक समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रगति भटनागर ने किया। कार्यक्रम में अभिषेक चारण, अपूर्वा घोड़ावत, सोनिका जैन, योगेश टाक, सोमवीर सांगवान, बलवीर सिंह, रत्ना चौधरी आदि एवं समस्त छात्रायें उपस्थित थी।

ये रहे विजेता

अन्तर्महाविद्यालयीय स्वरचित कविता- कहानी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुजानगढ के ओसवाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल का सचिन गुर्जर रहा। द्वितीय स्थान पर केके सीनियर सैकेंडरी स्कूल की सदिया बानू एवं तृतीय स्थान पर आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय की अभिलाषा स्वामी रहे। सांत्वना पुरस्कार के रूप में मौलाना आजाद सीनियर सैकेंडरी स्कूल की शहनाज बानो एवं सुजानगढ़ के बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय की चंचल प्रजापत का चयन किया गया। इनके अलावा प्रतियोगिता के अलावा मात्र पांचवीं कक्षा की छात्रा आकांक्षा को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति देने पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

उच्चारण, भाव व शैली पर ध्यान दें

प्रतियोगिता की समीक्षक परवीना भाटी ने पढाई के साथ सर्वांगीण विकास एवं प्रतिभा विकास के लिये प्रतियोगिता के इस प्रयोग की सराहना की। समीक्षक डा. शांता जैन ने बच्चों में सीखने की ललक और परिपक्वता की पकड़ के बारे में बताया। उन्होंने प्रस्तुतीकरण में उच्चारण एवं भाव व शैली के बारे में बताया। उन्होंने बचपन से सीखने की आवश्यकता बताई तथा कहा कि निष्कपटता, झूठ से दूर रहने, सरलता व सादगीपन से प्रेरणा लेनी चाहिये। प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि जिस उद्देश्य से ये क्लब प्रारम्भ किये गये थे, उनमें उन्हें इस कार्यक्रम से उद्देश्य पूरे होते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का लक्ष्य जीतना व सीखना, न कि हारना रखा। सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं नृत्य के साथ सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। छात्रा सोनम कंवर ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। आशा स्वामी ने महाश्रमण क्लब का परिचय प्रस्तुत किया। क्लब के प्रभारी अभिषेक चारण ने प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में छात्राओं सरिता शर्मा, सुरैया बानो व सृष्टि बागड़ा ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन छात्राओं दक्षता कोठारी व मेहनाज बानो ने किया।

शहीद भगत सिंह की पुण्य तिथि पर कार्यक्रम आयोजित

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 23 मार्च को शहीदे-आजम भगत सिंह के बलिदान दिवस को मनाया जाकर उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भगत सिंह के जीवन के विभिन्न उद्धरणों को प्रस्तुत करते हुये कहा कि उन्होंने अपना बलिदान देकर पूरे भारत को जगा दिया था। हमें उनके बलिदान दिवस पर राष्ट्र के विकास और राष्ट्रभक्ति को अपना मुख्य ध्येय बनाने का संकल्प लेना चाहिये। अभिषेक चारण ने शहीद भगतसिंह को देश का महान सपूत बताते हुये उनके जीवन पर प्रकाश डाला। जगदीश यायावर ने आजादी की लड़ाई की दो धाराओं अहिंसा और हिंसक तरीकों से मुकाबले पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में दोनों का सामंजस्य आवश्यक था। उन्होंने आगामी लोकतंत्र पर्व पर मतदान अवश्य करने की अपील की। कार्यक्रम में आरती सिंघानिया ने भगत सिंह के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। अर्चना शर्मा ने इस अवसर पर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सोनिका जैन, कमल मोदी, बलबीर चारण, अपूर्वा घोड़ावत आदि उपस्थित थे।

पौराणिक व ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है वसंत पंचमी

समारोह पूर्वक मनाया गया वसंत पंचमी उत्सव

संस्थान के प्राकृत व संस्कृत विभाग में 9 फरवरी को वसंत पंचमी का पर्व समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने वसंत पंचमी के महत्व को प्रतिपादित करते हुये कहा कि यह दिवस पौराणिक व ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरस्वती के जन्म की कथा सुनाई और कहा कि सरस्वती के कारण सम्पूर्ण प्रकृति में वाणी का संचार हुआ था। इसी कारण वसंत पंचमी के दिन को वाग्देवी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने पर्व का ऐतिहासिक महत्त्व बताते हुये कहा कि इसी दिन पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को मारकर आत्म बलिदान किया था। इसी दिन राजा भोज व हर्षवर्द्धन लोक कल्याण के कार्य करते थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्रो. दामोदर शास्त्री ने कहा कि वसंत पंचमी को दो माताओं की पूजा की जाती है। प्रथम मां प्रकृति है, जो हमें आश्रय देती है और द्वितीय मां सरस्वती है, जो हमें विद्या और विविध कलाओं का ज्ञान देती है। इस दिन से वसंत ऋतु का प्रारम्भ होता है और प्रकृति अपना श्रृंगार करती है। उन्होंने इस दिन यह संकल्प लेने की जरूरत बताई, जिसमें हर व्यक्ति बौद्धिक विकास पर बल दे और भौतिक विकास पर कम ध्यान देवे। कार्यक्रम का प्रारम्भ मंगलाचरण व सरस्वती की पूजा-अर्चना करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया।

छात्राओं ने बताया वसंत पंचमी का महत्व

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में भी वसंत पंचमी उत्सव को समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एपी त्रिपाठी ने विद्या की देवी मां शारदा की आराधना का महत्त्व बताया। कार्यक्रम में छात्रा अफसाना राव ने विद्यार्थी जीवन में वसंत पंचमी का महत्त्व बताया। दीपिका सोनी ने विभिन्न राज्यों की वसंत पंचमी का परम्पराओं से अवगत करवाया। सोनम कंवर, निकिता शर्मा व उर्मिला डूकिया ने वसंत पंचमी के बारे में विभिन्न प्रस्तुतियां दी। प्रारम्भ में रेणु मुहणोत ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। स्नेहा पारीक ने शारदा गीत प्रस्तुत किया। अभिषेक चारण ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा वसंत शीर्षक से कविता सुनाई।

सरस्वती पूजन कार्यक्रम

शिक्षा विभाग में वसंत-पंचमी पर सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने इस अवसर पर जीवन में विद्या की महत्ता बताई। सह आचार्य डॉ. गिरीराज भोजक ने भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का महत्व बताते हुये सरस्वती पूजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। अम्बिका शर्मा ने वसंत पंचमी पर्व मनाने के कारण बताये। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। अंत में डॉ. आभा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को प्रातः प्रांगण में भव्य समारोह आयोजित किया गया। प्रारम्भ में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने झंडारोहण किया। कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, कुलसचिव वीके कक्कड़ ने भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एन.सी.सी. द्वारा परेड का आयोजन किया गया। गीतिकाओं एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के अलावा छात्राओं ने आकर्षक नृत्यों के कार्यक्रम प्रस्तुत करके सबको मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रो. दामोदर शास्त्री, डा. जसबीर सिंह, डा. बिजेन्द्र प्रधान, डा. भावाग्रही प्रधान, डा. जुगलकिशोर दाधीच आदि उपस्थित थे।

उपखंड स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित

पूरे विश्व को योग-शिक्षक प्रदान कर रहा है जैविभा विश्वविद्यालय

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहां 21 जून को जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) एवं जैन विश्वभारती के संयुक्त तत्वावधान में उपखंड प्रशासन के साथ मिलकर यहां आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेंटर में योग समारोह का आयोजन किया गया। आयुष विभाग और जैविभा संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के निर्देशन में किये गये इस आयोजन में योग के विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण के साथ नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, यौगिक क्रियायें, प्राणायाम व ध्यान के प्रयोग किये, जिनका निर्देशन डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री जीवनमल मालू, विश्वविद्यालय के कुलसचिव रमेश कुमार मेहता, पंचायत समिति के विकास अधिकारी हरफूल सिंह चौधरी, आयुष विभाग के डॉ. जेपी मिश्रा आदि ने सहभगिता की और सम्बोधित करते हुये योग की महता पर प्रकाश डाला और नियमित योगाभ्यास के लिये सबको प्रेरित किया।

तीस सालों से योग विभाग संचालित है विश्वविद्यालय में

समारोह में प्रशासन की ओर से विकास अधिकारी हरफूल सिंह चौधरी ने कहा कि भारत में हजारों साल से प्रचलित योग को आज पूरी दुनिया ने अपना लिया है और विश्व में सभी ने योग की उपयोगिता को स्वीकार किया है। कार्यक्रम में जैन विश्वभारती के संयुक्त मंत्री जीवनमल मालू ने कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान का योग विभाग पूरे विश्व को योग प्रशिक्षक प्रदान कर रहा है। संस्थान के कुलसचिव रमेश कुमार मेहता ने कहा कि योग को अपनाने से ही जीवन को सुखद बनाया जा सकता है। हमारे संस्थान में पिछले 30 वर्षों से योग विभाग अलग से काम कर रहा है। इस विभाग के विद्यार्थियों ने योग के क्षेत्र में विश्व भर में नाम किया है। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी राजेन्द्र कुमार भाकर, ग्राम विकास अधिकारी रघुवीर सिंह चारण, रामरतन शर्मा, गिरधारीलाल राजपुरोहित, संस्थान के वित्ताधिकारी आरके जैन, विजय कुमार शर्मा, जेपी सिंह, मोहन सियोल, पंकज भटनागर, निरंजन सांखला, दीपक माथुर, रमेशदान चारण, शरद जैन सुधांशु, घासीलाल शर्मा आदि उपस्थित रहे और योगाभ्यास किया।